दैनिक **नवप्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com

रायपुर, बुधवार 28 अप्रैल 2021, शुक्लपक्ष-पंचमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-80 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए

रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से सीख लेनी चाहिए। जिन्होने प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की हुई चर्चा में कोरोना का रोना नहीं रोया और न ही कुछ मांगा। बल्कि उन्होने कहा कि इस आपदा में उड़ीसा क्या सहयोग करें? उन्होने आधा दर्जन राज्यों को ऑक्सीजन की आपूर्ति भी की। जबकि केजरीवाल सहित कई मुख्यमंत्री केन्द्र से वैक्सीन, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और अस्पताल आदि मांगते रहे। जब सब कुछ केन्द्र ही देगा तो ये मुख्यमंत्री की कुर्सी पर क्या घुंईया छिलने के लिए बैठे है? दे दो इस्तीफा। लगने दो राष्ट्रपति शासन। फिर सब केन्द्र देख लेगा।

रक्षामंत्री ने राज्यपाल से राज्य में कोरोना संक्रमण की ली जानकारी

भूतपूर्व सेना कर्मियों का कोरोना संकट काल में सहयोग लेने का सुझाव बहुत अच्छा : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

■ कोरोना संकट से निपटने सेना के भूतपूर्व चिकित्सकों एवं भूतपूर्व सैनिकों की सेवा लिये जाने दिया सुझाव

रायपुर/नवप्रदेश। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दूरभाष पर राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से चर्चा कर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति तथा वैक्सीनेशन की स्थिति की जानकारी ली । उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोविड संक्रमण की स्थिति को देखते हुए इस संकट से निपटने के लिये प्रदेश में निवासरत सेना के भूतपूर्व चिकित्सकों, नर्स, लैब टैक्नेशियन एवं भूतपूर्व सैनिकों की सेवाये ली जा सकती हैं। इसके साथ ही साथ स्काउट गाईड, एनएसएस के स्वंयसेवक, एनसीसी केडेटों की भी सेवाएं ली जा सकता है। इसके लिये संबंधितों के साथ वर्चुअल बैठक कर सुझाव एवं सहयोग लिया जा सकता है। रक्षामंत्री ने कहा है कि इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री से चर्चा करें और उन्हें इस सुझाव से अवगत करावें।

इसके उपरांत राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से फोन पर चर्चा कर रक्षामंत्री के इन सुझावों एवं निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा कि सेना के इन पूर्व कर्मियों से सहयोग प्राप्त करने के लिये इनके प्रमुखों के साथ वर्चुअल मीटिंग लेकर इनके सुझाव प्राप्त किया जाए ताकि प्रदेश में कोरोना संक्रमण से उत्पन्न संकट से निपटने में सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि भूतपूर्व सेना कर्मियों का कोरोनो ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत बायोटेक और सीरम इन्स्टिट्यूट को दिया 25-25 लाख वैक्सीन का ऑर्डर

■ केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री बघेल से दूरभाष पर की टीकाकरण के लिए चर्चा

■ 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के कोविड टीकाकरण की सभी तैय्यारी पूरी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से दूरभाष पर चर्चा कर एक मई से होने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के टीकाकरण के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें बताया कि राज्य सरकार ने कोविड शील्ड और को-वैक्सीन के लिये भारत बायोटेक और सीरम इन्स्टिट्यूट को 25 -25 लाख वैक्सीन का ऑर्डर किया जा चुका है । उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने टीकाकरण के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनायी हैं ।

कोरोना से निपटने का प्लान क्या है?

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते केसों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार पर कड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस संकट के दौर में हम मूकदर्शक बने नहीं रह सकते। अदालत ने कहा कि सरकार को यह बताना होगा कि कोरोना संकट से निपटने के लिए उसका क्या प्लान है। जस्टिस एस.आर भट ने कहा, 'मैं दो मुद्दे उठाना चाहता हूं, जो केंद्र सरकार के अंतर्गत हैं। पहली बात यह कि कैसे केंद्रीय संसाधनों का इस्तेमाल किया जाए। पैरामिलिट्री डॉक्टर्स, पैरामेडिक्स, आर्मी फैसिलिटीज और डॉक्टर्स का कैसे इस्तेमाल किया जा रहा है। दूसरी बात यह कि सरकार के पास इस संकट से निपटने के लिए कोई प्लान है या नहीं।'

स्थिति को संभालने में जुटे है: केन्द्र

अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से दखल देना जरूरी है। इस संकट के दौर में शीर्ष अदालत मूक दर्शक बनकर नहीं बैठी रह सकती। सुप्रीम कोर्ट के सवालों पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि हम पूरी सतर्कता के साथ स्थिति को संभालने में जुटे हैं।

शीर्ष अदालत भी चुप नहीं बैठ सकती

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना के बढ़ते केसों का संज्ञान लेते हुए कहा कि उच्च न्यायालयों को राज्यों में हालातों की निगरानी करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालयों को निगरानी करनी चाहिए, लेकिन शीर्ष अदालत भी चुप नहीं बैठ सकती। कोर्ट ने कहा कि हमारा काम यह है कि राज्यों के बीच समन्वय कायम किया जा सके। इसके अलावा अदालत ने यह भी पूछा है कि क्या इस संकट में सेना और अन्य बलों का भी केंद्र सरकार की ओर से इस्तेमाल किया जाएगा।

क्या कहा था सुको ने?

बीते गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार को नोटिस जारी कर यह पूछा था कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

खास-खबर

आयोग ने विजय जुलूस निकालने पर रोक लगायी

नई दिल्ली(वार्ता)। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण के लिए निर्वाचन आयोग के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद चार राज्यों एवं एक केंद्र शासित प्रदेश के लिए हुए विधानसभा चुनावों और कुछ उपचुनावों के परिणाम के उपरांत विजय जुलूस निकालने पर रोक लगा दी गयी है। आयोग ने मंगलवार को एक बयान जारी करके कहा कि चार राज्यों - असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल, एवं केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों तथा कुछ राज्यों में हुए उपचुनावों के मतों की गिनती आगामी दो मई को निर्धारित है और पिछले वर्ष के कोरोना गाइडलाइन पर अमल के अलावा विजयी उम्मीदवारों द्वारा किसी भी प्रकार का विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा।

हम मूकदर्शक नहीं बन सकते, सुप्रीम कोर्ट की केन्द्र सरकार को फटकार

आपका सिस्टम फेल है...

ऑक्सिजन पर दिल्ली सरकार को हाई कोर्ट ने दिया कड़वा डोज

■ मरीजों की हालत का जिक्र कर कोर्ट ने कह, बेड-ऑक्सिजन तो मिल नहीं रही, दवा कैसे लेंगे

नई दिल्ली/ए.। देश की राजधानी में ऑक्सिजन संकट और कोरोना के कारण पैदा हालात पर दिल्ली हाई कोर्ट का मूड मंगलवार को भी उखड़ा रहा। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को एक बार फिर सख्त लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने ऑक्सिजन की कालाबाजारी की खबरों पर कहा कि उसका सिस्टम किसी काम का नहीं है। यह पूरी तरह से फेल नजर आता है। रेमडेसिवियर की कमी पर कोर्ट ने केंद्र सरकार से भी सवाल किए। कोर्ट का गुस्सा सुनवाई में आए एक सप्लायर पर भी फूटा और बेहद सख्त लफ्जों में नसीहत देते हुए कहा कि यह वक्त 'गिद्ध' बनने का नहीं है।

दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार

देश की राजधानी में ऑक्सिजन की कमी और मरीजों को हो रही दिक्कत पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा, 'आप का सिस्टम किसी काम नहीं है। आपका सिस्टम पूरी तरह से फेल है। कालाबाजारी पर लगाम तक नहीं लगा पा रहे हैं आप।' हाई कोर्ट ने सवाल किया कि कैसे लोग इस वक्त पर भी जरूरी दवाइयों की जमाखोरी कर पा रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि वे उन प्लांट को टेकओवर कर ले जो हमारे आदेशों के बावजूद सुनवाई में शामिल नहीं हुए। हाई कोर्ट ने इनके खिलाफ अवमानना कार्रवाई को नोटिस भेजे जाने की चेतावनी दी। हाई कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इन्हीं प्लांट के स्टाफको उन प्लांट को चलाए और ऑक्सजिन का आवंटन करे।

वेदांता संयंत्र से ऑक्सीजन उत्पादन की 'सुप्रीम' अनुमति

नई दिल्ली(वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के वेदांता ताम्र संयंत्र को ऑक्सीजन उत्पादन के लिए खोले जाने की मंगलवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने यह आदेश उस वक्त दिया जब उसे अवगत कराया गया कि तमिलनाडु सरकार ने सर्वदलीय बैठक में संयंत्र को ऑक्सीजन उत्पादन के लिए चार महीने खोलने का निर्णय लिया है। न्यायालय का यह आदेश कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर के कारण पूरे देश में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए आया है।

सरकार समझे-लड़ाई कोविड से है, कांग्रेस से नहीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि देश कोविड-19 के कारण गंभीर संकट से जूझ रहा है और सरकार को समझना चाहिए कि लड़ाई कांग्रेस या विपक्षी दलों से नहीं बल्कि कोरोना से है। श्री गांधी ने मंगलवार को ट्वीट किया, "मोदी सरकार को यह जरूर समझना चाहिए कि संघर्ष कोविड से है, कांग्रेस और विपक्ष के राजनीतिक दलों के साथ नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के एक अखबार में छपे साक्षात्कार को भी पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने कहा, मदद के लिए तैयार हूं, हमें कोविड से लड़ने के लिए राजनीतिक सहमति की जरूरत है। कोविड-19 'तुम्हारी और हमारी' लड़ाई नहीं बल्कि 'हमारी और कोरोना' की लड़ाई है।

आईपीएल तय कार्यक्रम के अनुसार होगा, स्थगित नहीं होगा: गांगुली

नई दिल्ली (वार्ता)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से कई खिलाड़ियों के हटने के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि आईपीएल अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलेगा और टूर्नामेंट को स्थगित नहीं किया जाएगा। गांगुली ने स्पोर्टस्टार से बातचीत में कहा कि टूर्नामेंट फिलहाल तय समय पर ही होगा।

जमीन को लेकर दो पक्षों विवाद

बाप-बेटा और बेटी को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के पथरिया इलाका आज ट्रिपल मर्डर से थर्रा उठा है, जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद आज तड़के 3 लोगों की हत्या के बाद समाप्त हुआ। आरोपियों ने बाप-बेटा और उसकी बेटी को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। घटना पथरिया थाना क्षेत्र के जरेली गांव की है। मुंगेली जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के जरेली गांव में आज सुबह लोचन उसके पुत्र गणेश और पुत्री सविता का गांव के तेजराम बंजारे,पुत्र मुकुंद सहित 5 लोग से विवाद हुआ। पुलिस कप्तान अरविंद कुजूर ने बताया कि पुरानी रंजिश व जमीन विवाद के चलते दोनो पक्षो में आज सुबह जमकर विवाद हुआ। जिसके बाद तेजराम बंजारे उसके पुत्र मुकुंद सहित अन्य लोगों ने लोचन उसके बेटे व बेटी पर लाठी डंडे से इस कदर जानलेवा हमला किया, कि मौके पर ही तीनो की मौत हो गई है। घटना की सूचना पाकर एसपी अरविंद कुजूर, एसडीपीओ साधना सिंह समेत पुलिस अधिकारियों की टीम घटना स्थल पर पहुंची, मौके का मुआयना कर आरोपी तेजराम, पुत्र मुकुंद समेत 5 लोगो को पुलिस ने हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही कर रही है।

तीसरे दिन दो लाख से अधिक मरीजों ने दी कोरोना को मात

नई दिल्ली। देश में कोरोना का कहर जारी है और पिछले 24 घंटों में लगातार छठे दिन 3.23 लाख से अधिक नये मामले सामने आये हैं हालांकि राहत की बात यह रही कि लगातार तीसरे दिन भी दो लाख से अधिक मरीजों ने इस महामारी को मात दी है। इस बीच देश में मंगलवार सुबह तक 14 करोड़ 52 लाख 71 हजार 186 लोगों को टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से आज सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 3,23,144 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर एक करोड़ 76 लाख 36 हजार 307 हो गया।

1 ऐंबुलेंस में 22 शव...अंतिम संस्कार को लंबी लाइन

'घंटों तक शव नहीं रखे जा सकते': हाईकोर्ट

मुंबई/ए.। महराष्ट्र में कोरोना के मामले बेकाबू हो चुके हैं। रोजाना कोरोना से मरने वाले लोगों का आंकड़ा डराने लगा है। श्मशानों के बाहर शवों की कतार लग रही है। वहीं, अस्पतालों से जान गंवाने वाले मरीजों को श्मशान ले जाने के लिए ऐंबुलेंस भी नहीं मिल रही है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को इस मामले में टिप्पणी की है। कोर्ट ने बीएमसी तथा महाराष्ट्र सरकार को मुंबई में श्मशानों की स्थिति के बारे में अवगत कराने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की पीठ ने कहा कि कई श्मशानों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बीड में 22 शवों को एक ऐंबुलेंस से श्मशान पहुंचाया

न्यायमूर्ति कुलकर्णी ने महाराष्ट्र के बीड जिले की एक घटना का हवाला दिया जहां कोविड-19 संक्रमण के शिकार 22 लोगों के शव को एक ही एंबुलेंस से श्मशान में पहुंचाया गया। बता दें कि बीड की यह तस्वीर सोशल मीडिया के जरिए जब लोगों के सामने आया, तो हर कोई इस अमानवीयता पर गुस्से से भर उठा। स्वामी रामतीर्थ अस्पताल में इन मरीजों की जान गई थी, जिसे बाद उन्हें एक ही ऐंबुलेंस में लादकर श्मशान भेज दिया गया। अस्पताल ने दलील दी कि उनके पास ऐंबुलेंस नहीं है, इसलिए उन्हें ऐसा करना पड़ा।

अमेरिका बोला- हमें भारत की दयालुता याद है...

वैक्सीन के कच्चे माल की सप्लाई को हैं तैयार हुआ यूएस

नई दिल्ली/ए.। पूरा भारत इस समय कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है। रोज हजारों लोगों की जान जा रही है। स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि अन्य देश खुद मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में अमेरिका ने रविवार को कहा कि- हमें भारत की दयालुता याद है और हम भारत को कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्ची सामग्री की तुरंत सप्लाई करेंगे। राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा कि कोरोना महामारी की शुरुआत में जब हमारे अस्पतालों में दवाओं की कमी बनी हुई थी उस समय भारत ने हमारी मदद की थी। अब जरूरत ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत की मदद को आगे आ रहे कई देश

कोरोना इस लड़ाई में अमेरिका के अलावा, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी सहित कई अन्य देशों ने भी भारत की मदद करने की घोषणा की है। वहीं कुछ देशों से तो मदद का सामान भारत के हवाईअड्डों पर उतरने भी लगा है।

प्रावधान

कोरोना की वेक्सीन लगाने वाले परिवार को मिलेगा राशन

वेक्सीनेशन के बाद ही मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

■ संक्रमण से बचाने सरकार ला रही है कड़े प्रावधान

संतोष मिश्रा

दुर्ग (नवप्रदेश)। राज्य में कोरोना की वेक्सीन लगाना अब अनिवार्य हो गया है। वेक्सीन लगवा चुके लोग ही सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकेगें। प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के निर्देश पर सरकार कड़े प्रावधान लागू करने जा रही है। इसकी घोषणा संभवतः 1 मई से पहले कीजा सकती है। इस नई व्यवस्था के तहत राशन दुकानों से उन्ही परिवार को अनाज मिलेगा जो वेक्सीनेशन का प्रमाण पत्र लेकर आएंगे। राज्य के लोगो को कोरोना के संक्रमण से बचाने के लिए सरकार ने कड़ा कदम उठाने का फैसला किया है।

गौरतलब है कि 55 वर्ष व 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का वेक्सीनेशन के बाद आगामी 1 मई से 18 से 45 वर्ष के लोगों को वेक्सीन लगाने का कार्यक्रम निर्धारित है। राज्य सरकार ने 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण करने में शत् प्रतिशत सफ्लता हासिल की है। परिणाम स्वरुप छग राज्य टीकाकरण में देश में अपनी अलग पहचान बना चुका है। अब चूंकि 18 से 45 वर्ष के लोगों के टीकाकरण की बारी है ऐसे लोगों को कोरोना के संक्रमण से बचाने सरकार बेहद गंभीर है। शत् प्रतिशत लोग टीकाकरण के इस तीसरे चरण का लाभ उठा सके इसलिए सरकार ने कड़े प्रावधान लाने का निर्णय लिया है। इस प्रावधान के तहत् सरकारी योजनाओं के लाभ में वेक्सीनेशन को अनिवार्य किया जा रहा है। इस तरह अब वेक्सीनेशन का प्रमाण पत्र ले चुके लोगो को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि एक अप्रैल के बाद से लेकर अब तक पूरा राज्य कोरोना की चपेट में है। जहां लाखो लोग संक्रमित हो चुके है वही हजारों की संख्या में लोगों की मौत भी हो चुकी है। प्रतिदिन संक्रमण के साथ मौतो का सिलसिला अनवरत जारी है। चिकित्सा विशेषज्ञो ने कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण पर सबसे ज्यादा जोर दिया है। यह बात भी प्रमाणिक रुप से सामने आई है कि वेक्सीन लगवा चुके लोगों पर कोरोना का असर कम हुआ है और जान का खतरा भी टल गया है। वेक्सीनेशन के साथ मास्क, सोशल डिस्टेसिंग के साथ सावधानी भी जरुरी है। चूंकि कोरोना की दूसरी लहर में भारी संख्या में युवा वर्ग भी प्रभावित हुआ है। इसलिए 1 मई से 18 से 45 वर्ष के लोगों को टीका लगाया जाना है। सरकार 18 से 45 वर्ष के लोगों को कोरोना के खतरे से बचाने के लिए ही टीकाकरण की अनिवार्यता का प्रावधान लागू करने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

डोभाल की अमेरिकी समकक्ष के साथ हुई वार्ता

गौरतलब है कि भारत को कच्ची सामग्रियां भेजे जाने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की प्रवक्ता एमिली होर्ने की ओर से एक बयान जारी किया गया है। प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के साथ बातचीत में वैक्सीन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली कच्ची सामग्रियों के भेजे जाने पर पर सहमति बनी है।

अदार पूनावाल ने की थी प्रतिबंध हटाने की मांग

बता दें कि सीरम के सीईओ अदार पूनावाल पिछले एक महीने से ज्याता समय से कच्ची सामग्रियों पर लगे प्रतिबंध को अमेरिका से हटाने की मांग करते आए हैं। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन को कई बार ट्वीट किया। गत पांच फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैक्सीन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली इन कच्ची सामग्रियों की अपने देश में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट लागू कर दिया।

न्यूज गैलरी

नए कार्यपालन अभियंता होगे बाबर

रिसाली। निगम के नए कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर होंगे। उन्होंने आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे से मुलाकात की और कार्यभार ग्रहण किया। वे दुर्ग निगम से स्थानांतरण होकर रिसाली निगम आए है। उल्लेखनीय है कि श्री बाबर रायपुर से अभियंता की पढ़ाई पूरी करने के बाद 1989 में विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण दल्लीराजहरा में उप अभियंता के रूप में कार्य करना शुरू किया। इसके बाद वे धमतरी, उपसंचालक कार्यालय, बीरगांव रायपुर में सेवाएं दी।

कहीं भी ना लगाएं दुकान और न करें भीड़

दुर्ग। कलेक्टर डा. भूरे द्वारा जिले में लॉकडाउन 4 की घोषणा करने के बाद निगम आयुक्त हरेश मंडावी, एसडीएम विनय पोयाम, एवं तहसीलदार पार्वती पटेल ने शहर में अपनी सक्रियता बढ़ा दिये हैं । उन्होनें आज महाराजा चौक, चण्डी चौक, नया गंजमण्डी, दादा.दादी, नाना.नानी पार्क, ग्रीन चौक, स्टेशन रोड गुरुद्वारा रोड आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर लॉकडाउन का पालन नहीं करने वालों की निगरानी किये। स्टेशन रोड में बिना मास्क मॉर्निंगवाक करने वाले व्यक्ति कुत्ता घुमा रहा था जिस पर 5 सौ जुर्माना किया। आयुक्त एवं जिला प्रशासन का पूरा अमला पुलिस बल के साथ शहर के चौक-चौराहो पर पसरा लगाकर सब्जी बेचने वाले 7 लोगों पर कार्यवाही कर उन पर 34 सौ जुर्माना किया तथा वहॉ से तत्काल सब्जी का पसरा हटवाया गया। आयुक्त हरेश मंडावी ने सब्जी दुकानदारों और आम जनता से अपील कर कहा कि कोरोना संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं हैं। शहर में निरंतर पॉजिटीव मरीज मिल रहे हैं। सब्जी का दुकान ठेले में लगाकर घूमकर विक्रय करें।

एक क्लिक पर मिलेगी आसपास के दुकानदारों की जानकारी

भिलाई। निगम ने स्ट्रीट वेंडर्स एवं होम डिलीवरी के लिए सूची जारी कर दी है। सूची में दिए गए मोबाइल नंबर में संपर्क कर राशन सामग्री एवं सब्जियां अपने घरों तक मंगवा सकते हैं। प्रत्येक जोन क्षेत्र के लिए अलग अलग सूची बनाई गई है ताकि नजदीकी विक्रेताओं के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर उनसे आवश्यक सामग्री की खरीदी कर घर तक मंगवा सकें। लॉकडाउन की तिथि में 6 मई तक का इजाफा किया गया है। ऐसे में राशन और सब्जियां घर तक मिल जाए इसकी पूरी व्यवस्था के लिए सूची जारी की गई है। जारी सूची में विक्रेताओं से संपर्क कर आवश्यक सामग्रियों की खरीदी की जा सकती है। सूची की जानकारी प्राप्त करने के लिए निगम के फेसबुक पेज/इंस्टाग्राम, ट्विटर या वेबसाइट पर जाना होगा। इस पर आसानी से होम डिलीवरी के लिए सूची दिखाई देगी। अपलोड किए गए सूची में प्रत्येक जोन के लिए रहवासी के वार्ड क्षेत्र के मुताबिक उनके नजदीकी विक्रेताओं के नाम एवं मोबाइल नंबर दिए गए हैं। सूची में किराना व्यवसायी, फल एवं सब्जी विक्रेताओं के संपर्क नंबर दिए हुए हैं। निगम के सभी वार्ड क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए सूची को अद्यतन किया गया है। लॉकडाउन की स्थिति में निगम प्रशासन की यह अच्छी पहल है। परंतु इसमें विक्रेता एवं क्रेता को जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए निर्देशों के तहत समय.सीमा का ध्यान रखना आवश्यक होगा।

विभाग की लापरवाही व लचर व्यवस्था ने ले ली मासूम की जान

इलाज के अभाव में हुई 2 माह की मासूम की मौत

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। वैश्विक महामारी कोरोना काल मे छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही उभर कर सामने आई है। 2 माह की बच्ची रूही को बुखार और दस्त की शिकायत थी, जिला अस्पताल लाने पर प्राम्भिक जांच में डॉक्टरों द्वारा कोरोना जांच कर रिपोर्ट को पॉजिटिव बताया गया। इलाज उपरांत स्थिति न सुधरने पर एव दुर्ग में बच्चों के लिए वेंटिलेटर न होने की बात कहते हुए रायपुर जिला अस्पताल पंडरी में रिफर करते हुए रेफर पर्ची में कोविड पॉजिटिव लिख दिया। रायपुर के जिला अस्पताल पहुचने ले बाद लगभग 1 घंटे की मशक्कत करने पर डॉक्टर से मुलाकात हुई लेकिन कोरोना पॉजिटिव होने की वजह से अस्पताल में वेंटिलेटर देने से मना करते हुए उन्होंने भी मेकाहारा रायपुर जाने की बात कहते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया। परिजन जब बच्ची को लेकर मेकाहारा अस्पताल पहुचे तो उन्होंने एप्प के माध्यम से बेड चेक करने की बात कही और अपने कंप्यूटर में व्यस्त हो गए और दूसरी तरफ बच्ची की टूटती साँसों को लेकर प्रारंभिक उपचार शुरू करने की परिजन मिन्नतें करते रहे लेकिन उनकी किसी ने एक ने भी नहीं सुनीए और जब बच्ची को प्रारंभिक उपचार शुरू करने डॉक्टर पहुचे

तब तक बहुत देर हो चुकी थी एम्बुलेंस में ही बच्ची रुही ने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत पर रोते बिलखते परिजनों को एम्बुलेंस वाले ने भी शव को निजी वाहन से दुर्ग ले जाने की बात कहकर वहा से भेज दिए। परिजनों ने किसी तरह बच्ची को दुर्ग लाया और उसकी अंतिम संस्कार कर दिया लेकिन अंतिम संस्कार के 4 घंटे के बाद मोबाइल पर बच्ची रुही की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई। उसको देखकर परिजनों ने माथा पिट लिया क्योकि बच्ची को प्राथमिक उपचार नहीं मिलने की सबसे बड़ी वजह उसकी कोरोना रिपोर्ट का पॉजिटिव होना था। जिला स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते मासूम की जान चली गई। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को लेकर परिजन सिटी कोतवाली थाने दुर्ग पहुचे जहा उन्होंने थाना प्रभारी से जांच किये जाने की मांग को लेकर शिकायत आवेदन जमा कराया इसके साथ ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष पहुचकर अपनी शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही करने की बात कही गयी। परिजनों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गंभीर सिंह ठाकुर ने भी मामले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही मानते हुए जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह होगा कि इस पुरे मामले में दोषियों पर कार्यवाही होती है और पीड़ित परिवार को न्याय मिलता है या ऐसे गंभीर मुद्दों पर भी लीपापोती होती है।

वैक्सीनेशन के लिए 45 पार कर चुके लोगों को किया प्रेरित

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। कोरोना के बढ़ते श्रंखला को तोड़ने शासन देशव्यापी टीकाकरण अभियान चला रही है। टीकाकरण के लिए जागरूक करने और भ्रामक प्रचार पर विराम लगाने निगम आयुक्त आमजनों के निवास स्थान पहुंच रहे है। घरों में वृद्धजन होने पर कोविड.19 के तहत टीका लगवाने प्रेरित कर रहे है। निगम अधिकारियों के साथ अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार सर्वे ने पटेल पारा, विजय नगर स्टेशन मरोदा, रिसाली सेक्टर समेत प्रगति नगर व आशीष नगर क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान आयुक्त ने 45 वर्ष पार कर चुके महिला व पुरूषों से मुलाकार कर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और कोरोना टीका लगवाए जाने अथवा नहीं के बारे में पूछताछ की। इस दौरान अधिकांश लोगों ने टीका लगवाने की बात कही वहीं कुछ लोगों का जवाब नहीं होने पर उन्हे टीका लगवाने आयुक्त ने प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान नोडल अधिकारी रमाकांत साहू, उपअभियंता हिमांशु कावड़े व गोपाल सिन्हा उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान आयुक्त ने युवाओं से मुलाकात की। चर्चा में कोरोना की रोकथाम के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 18 से अधिक उम्र वालों के लिए 1 मई से टीकाकरण अभियान की शुरूआत कर रही है। इस महाअभियान में शामिल होकर युवा रोल मॉडल बने। आयुक्त ने निगम के अधिकारियों के साथ वैक्सीनेशन सेंटर को लेकर चर्चा भी की।

संकट टला नहीं

भ्रमण के दौरान स्ट्रीट वेंडर को रोककर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर निगम के अधिकारी स्ट्रीट वेंडर का नाम व मोबाइल नंबर नोट कर रहे है। कोरोना संकट अभी टला नहीं है। इसलिए वे सावधानी पूर्वक फेरी लगाकर सामान बेचे। ठेले के पास एक बार में केवल एक ही व्यक्ति को सामान दे। किसी एक स्थान पर पसरा लगाकर सामान न बेचे। अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दुकान सील

दुर्ग। आयुक्त हरेश मंडावी द्वारा नियुक्त मोबाइल टीम द्वारा आज बोरसी वार्ड और धमधा रोड बस्ती क्षेत्र का भ्रमण कर लॉकडान के नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना लगाकर कार्यवाही किये तथा चेतावनी दिया गया कि दोबारा दुकान खोलकर व्यवसाय करते पाये जाने पर दुकान को एक माह के लिए सील कर दिया जावेगा।

आधा दर्जन से अधिक न्यायाधीश कोरोना संक्रमित

कोरोना से अब तक जिला न्यायालय के 19 अधिवक्ताओं की हो चुकी है मौत

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना के संक्रमण से जनसामान्य के साथ सरकारी दफ्तर भी प्रभावित हुए है। जिला एवं सत्र न्यायालय में भी कोरोना का असर देखने को मिला है। वर्तमान में न्यायालय के आधा दर्ज से अधिक माननीय न्यायाधीशों के संक्रमित होने की खबर है। वही एक अप्रैल से अभी तक डेढ दर्जन से अधिक 19 अधिवक्ताओं की मौत हो चुकी है। जबकि तीन न्यायिक कर्मचारियों की मृत्यु हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि जिला एवं सत्र न्यायालय सर्वाधिक कामकाज वाला क्षेत्र है। पेशी व प्रकरणों की वजह से भारी संख्या में लोगों का आना जाना होता है। लॉकडाउन से पहले न्यायालय में सावधानी पूर्वक तरीके से कामकाज चल रहा था लेकिन भीड़ की मौजूदगी से वहां भी संक्रमण फैल गया है। सबसे पहला असर अधिवक्ताओं पर पड़ा। चूंकि अधिवक्ताओं का सीधा संपर्क सभी लोगों से होता है इसलिए उनके बीच संक्रमण फैल गया। एक अप्रैल से अभी तक 19 अधिवक्ताओं की कोरोना से मौत हो चुकी है। दर्जनो संक्रमित होकर उपचार भी करा रहे है। जिन अधिवक्ताओं की कोरोना से मौत हुई है उनमें भंवरलाल जैन, शिवप्रसाद काप्से, कमल किशोर सिन्हा, कंचन कुमार पाण्डेय, नागेश्वर प्रसाद यदु, संतोष कुमार मिश्रा, नवीन कुमार साहू, गिरिस्त पटेल, तेजबहादुर पवार, अशोक गुप्ता, विनोद कुमार साहू, राजेन्द्र चौधरी, नरेन्द्र चौधरी, हिमांशु जायसवाल, बी.पी. शर्मा, महेश साहू, गोविंद राव भोसले, आर.के. अग्रवाल व मदनलाल शर्मा शामिल है। इसके अतिरिक्त शिवकुमार तिवारी व अनुराग हरिहरनो न्यायिक कर्मचारी कोरोना से जान गंवा चुके है। कोरोना का असर जिला एवं सत्र न्यायालय के माननीय न्यायाधीशगणों पर भी हुआ है। इनका उपचार जारी है और इनके स्वास्थ्य में सुधार होने की खबर है।

सांई महाविद्यालय ने मनाया वसुंधरा दिवस

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। सांई महाविद्यालय सेक्टर 6 के बायोटेक्नोलॉजी विभाग इको क्लब तथा आईक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वाधान में अर्थ डे के उपलक्ष्य में दो दिवसीय ऑनलाईन इंटर कॉलेज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण में संबंधित विषयों पर जैसे नवीनीकृत एवं अविनिकृत संसाधन प्रदूषण, क्लाइमेंट चेंज विषय पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन, बेस्ट सेल्फी विथ नेचर, स्लोगन प्रतियोगिता एवं प्लांटेशन ड्राइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। इसी श्रंखला में 22 अप्रैल को वसुंधरा दिवस के शुभ अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विवि कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा, विशेष अतिथि डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव छात्र कल्याण अधिष्ठता हेमचंद यादव विवि एवं बर्थ डे के महत्व को बताने विषय विशेषज्ञ डॉ. अनीता सावंत रीजनल ऑफिसर छग पर्यावरण संरक्षण मंडल एवं डॉ. पीयूषकांत पाण्डेय डायरेक्ट एलसीआईटी ग्रुप ऑफइंस्टिट्युशन मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत सोनल खंडेलवाल बायोटेक्नोलॉजी विभाग से वसुंधरा गीत एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. डीबी तिवारी के द्वारा अतिथियों का परिचय देते हुए वसुंधरा दिवस की महत्ता एवं पृथ्वी द्वारा जीवन मात्र को प्रदान की जाने वाली जलवायु की उपलब्धियों विभिन्न शास्त्रों के माध्यम से व्यक्त किया।

बंद आक्सीजन प्लाट का किया निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। कोरोना जैसी महामारी इनदिनों प्रदेश ही नही पूरा देश जूझ रहा है। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए आक्सीजन की भारी मात्रा में मांग अस्पतालों द्वारा की जा रही हैए इस सर्वव्यापी विषम परिस्थिति में सुचारू रूप से आक्सीजन सहज सुलभ कराने और पीड़ितों को संकट से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से वर्षों से बंद ऑक्सीजन कंपनी को पुनः प्रारंभ कराए जाने की संभावनाओं का स्थल निरीक्षण करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी मनीष बंछोर, नपा अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर, उपाध्यक्ष के. रवि कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत, खादय निरीक्षक बीआर साहू, अनुविभागीय अधिकारी धमधा, अनुविभागीय अधिकारी पाटन, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा कारखाने का निरीक्षण किया गया। इस दौरान श्री बंछोर ने कहा कि कोरोना वायरस विश्वव्यापी महामारी से असमय ही जनहानि हो रही है इसलिए इस आपदा से निपटने एवं बचाव हेतु आक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की दिशा में वर्षो से बंद ऑक्सीजन कंपनी को पुनः प्रारम्भ किए जाने की सम्भावनाओं की तलाश की जा रही है । इससे क्षेत्र की जनता को अधिकाधिक लाभ मिलेगा।

शासकीय अस्पतालों में बेड उपलब्ध

दुर्ग। जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड उपलब्ध है। हॉस्पिटल स्टाफ द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों के चलते जिले में रिकवरी रेट तेजी से बढ़ा है। इसके चलते मरीज तेजी से डिस्चार्ज हो रहे हैं और ऑक्सीजन बेड उपलब्ध हो रहे हैं। होम आइसोलेशन कंट्रोल सेंटर में अधिकारी लगातार लोगों की ऑक्सीजन लेवल की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सभी हॉस्पिटलों में ऑक्सीजन बेड उपलब्ध है

बरसात से पहले सुदृढ़ीकरण कार्य पूरा करें : वोरा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शहर के मध्य से गुजरने वाले 11 किमी लंबा शंकर नाला का सुदृढ़ीकरण कार्य बारिश से पहले पूरा करना जरूरी है। हर साल बरसात में शंकर नाला का पानी कई निचली बस्तियों में भर जाता है। कई बार शंकर नाला में आई बाढ़ के कारण जनहानि भी हो चुकी है। निगम द्वारा 10 साल पहले साढ़े 4 किलोमीटर हिस्से में सुदृढ़ीकरण कराने के बाद काम रोक दिया गया था। करीब साढ़े 6 किमी का सुदृढ़ीकरण कार्य बीते

10 साल से लटका रहा। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के फौरन बाद विधायक अरुण वोरा ने इस दिशा में त्वरित कार्यवाही करते हुए 14.5 करोड़ के बचे निर्माण कार्य को शुरू कराने की पहल की। वोरा ने सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रगति देखने के बाद गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि नाले का बचा काम 8 बार स्वीकृत होने के बाद भी पूर्ववर्ती शासन से राशि नहीं मिली। अब राशि मिलने के बाद बरसात के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करना आवश्यक है। उन्होंने महापौर धीरज बाकलीवाल और निगम आयुक्त से कहा कि स्थल पर कार्य की प्रगति की मॉनिटरिंग करना जरूरी है। कोरोना काल के दौरान भी कार्य की जरूरत और जनहित को देखते हुए कार्य चालू रखने की अनुमति लॉकडाउन के दौरान दिलाई गई है ताकि यह काम तेजी से पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान उप अभियंता जितेंद्र समैया, राजेश शर्मा व एल्डरमैन अंशुल पांडेय मौजूद थे।

संयंत्र की उपलब्धि.. महामाया ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 7 मिलियन टन संचयी उत्पादन के माइलस्टोन को किया पार

तेजी से लक्ष्य हासिल करने वाला फर्नेस बना बीएसपी का महामाया

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। इस्पात संयंत्र के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने 26 अप्रेल 2021 के द्वितीय पाली में 7 मिलियन टन संचयी उत्पादन के मील का पत्थर को पार कर एक नई उपलब्धि हासिल की। कोविड संकट के चलते आने वाली बाधाओं के बावजूद बीएसपी का ब्लास्ट फर्नेस-8 इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को तेजी से हासिल करने वाला सेल का ब्लास्ट फर्नेस बन गया। उल्लेखनीय है कि 141 दिनों में ही ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 6 मिलियन टन से 7 मिलियन टन की उत्पादन यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। इस प्रकार ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने प्रतिदिन 7093 टन हॉट मेटल का औसत उत्पादन किया है। संयंत्र ने 7

मिलियन टन की यात्रा को पूरा करने में तेजी दिखाई है। बीएसपी ने 7 मिलियन टन उत्पादन सेल के इस्को, बर्नपुर से 9 महीने 15 दिन पहले हासिल किया और राउरकेला स्टील प्लांट से 5 महीने 13 दिन पहले ही यह कीर्तिमान स्थापित किया है। इस प्रकार सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने सबसे कम दिनों के उत्पादन में ही यह रिकॉर्ड कायम कर भिलाई का परचम लहराया। इस उपलब्धि पर भिलाई की सम्पूर्ण इस्पात बिरादरी गौरवान्वित महसूस कर रही है। संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने इस महती उपलब्धि के लिए महामाया के प्रतिबद्ध सदस्यों और सभी सहयोगी विभागों के कर्मचारियों को बधाई सम्प्रेषित की जिनके सहयोग के फलस्वरूप ब्लास्ट फर्नेस-8 ने उत्पादन के अधिकतम स्तर को बनाए रखने में कामयाबी हासिल की। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि, ब्लास्ट फर्नेस-8 बिरादरी आगे भी इसी प्रकार नये कीर्तिमान रचते रहेंगे। इससे पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने 6 दिसम्बर 2020 के द्वितीय पाली में 6 मिलियन टन संचयी उत्पादन के मील का पत्थर को पार कर एक नई उपलब्धि हासिल की। 9 जुलाई 20 को सबसे तेज 5 मिलियन टन संचयी उत्पादन कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया था। उस वक्त बीएसपी का ब्लास्ट फर्नेस-8 इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को तेजी से हासिल करने वाला सेल का प्रथम ब्लास्ट फर्नेस बन गया। उल्लेखनीय है कि 149 दिनों में ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 4 मिलियन टन से 5 मिलियन टन की उत्पादन यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। उन्नत स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों के साथ अत्याधुनिक फर्नेस से दैनिक उत्पादन का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। 2 फरवरी 18 को इसके ब्लोइंग-इन के 258 दिनों बाद 18 अक्टूबर 18 को बीएफ-8 से 1 मिलियन टन संचयी उत्पादन के आँकड़े को पार कर लिया गया। इसी प्रकार 1 अप्रैल 19 को बिना आक्सीजन संवर्धन के सहयोग से ब्लोइंग-इन के 424 दिनों बाद 2 मिलियन टन के मील के पत्थर को प्राप्त कर लिया। 9 सितम्बर 19 को 585 दिनों में 3 मिलियन टन संचयी उत्पादन करने में सफल हुआ। ब्लोइंग-इन के 740 दिनों में 4 मिलियन टन के नई कीर्तिमान को हासिल किया।

उपचार से मिली राहत

भिलाई। संकट की घड़ी में किस प्रकार से एक दूसरे के सहायक होते हैं इसका उदाहरण आज देखने को मिला। जहां एक ओर कोरोनावायरस के संक्रमण दौर है। वही मोबाइल मेडिकल यूनिट अपनी निरंतर सेवा दे रहा है। खेदामारा निवासी 39 वर्ष के बलराम साहू जो कि ग्रामीण क्षेत्र से हैं। भिलाई में कुछ आवश्यक कार्य से पहुंचे थे जब रास्ते से गुजर रहे थे तब उसी बीच आईटीआई के पास एक दुपहिया वाहन से उनके वाहन की टक्कर हो गई जिससे बलराम को हाथ और पैर में चोट लग गई। वहीं से निगम के कुछ कर्मचारी भी रास्ते से जा रहे थे जिन्होंने घायल होने के नाते श्री साहू की मदद की। वार्ड 28 के सुपरवाइजर अरविंद जायसवाल एवं रामवालिया, अब्दुल एवं शिवनारायण ने बलराम की स्थिति को देखते हुए उन्हें उपचार के लिए नजदीकी मोबाइल मेडिकल यूनिट के स्वास्थ्य शिविर में लेकर पहुंचे।

संयंत्र की पहली पीढ़ी के सदस्य राघवेन्द्र का निधन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। बी 5 सेन्ट्रल एवेन्यू स्मृतिनगर निवासी राघवेन्द्र नारायण पाल का संध्या 5 बजे निधन हो गये वे 83 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार 28 अप्रैल को किया जायेगा। श्री पाल भिलाई इस्पात संयंत्र की पहली पीढ़ी के सदस्य हैं।

उन्होंने 1959 में भिलाई इस्पात संयंत्र में काम करना शुरू किया। इस्पात कर्मचारी कोआपरेटिव सोसायटी भिलाई नागरिक सहकारी बैंक, स्मृति गृह निर्माण सोसायटी एवं क्षत्रिय कल्याण सभा के वे संस्थापक सदस्य रहे। वे राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित है सहकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें मुख्यमंत्री सहकारिता पुरुष का खिताब दिया गया। उनके चार पुत्रों में इंजीनियर संजीव कुमार पाल जेएसपीएल रायगढ़ में वाइस प्रेसिडेंट हैं। डॉ राजीव पाल इस्पात संयंत्र के जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में संयुक्त निदेशक हैं। संदीप पाल सीएफसीएल नई दिल्ली में एजीएम के पद पर सेवारत हैं जबकि सीए प्रदीप पाल भिलाई में ही प्रैक्टिस करते हैं।

निधन

छेदीलाल तिवारी

रायपुर। जनसंपर्क विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर छेदीलाल तिवारी रात्रि 12 बजे सुयश हास्पिटल कोटा में निधन हो गया।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल उइके ने पूर्व सांसद करुणा शुक्ला के निधन पर शोक व्यक्त किया

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उईके ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सांसद करूणा शुक्ला के कोरोना से निधन पर अपनी गहन संवेदनाएं प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। साथ ही उनके परिजनों को इस दुखद घड़ी को सहन करने की क्षमता प्रदान करे। राज्यपाल ने अपने सन्देश में कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यन्त ही दुखद है। श्रीमती करूणा शुक्ला एक उच्चकोटि की समाज सेवक, जनप्रतिनिधि और गरीबों के दुख दर्द को समझने वाली संवेदनशील महिला थीं। उनके दुखद निधन से प्रदेश ने अच्छा जन प्रतिनिधि खो दिया है जिसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री बघेल ने पूर्व सांसद करुणा शुक्ला के निधन पर किया शोक व्यक्त

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व सांसद करुणा शुक्ला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि करुणा शुक्ला से उनके बहुत आत्मीय पारिवारिक रिश्ते रहे और उनका सतत आशीर्वाद मिलता रहा। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और हम सबको उनका विछोह सहने की शक्ति दे। करुणा शुक्ला का कोरोना से अर्धरात्रि 2.15 सुबह को निधन हो गया है। करुणा शुक्ला 70 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। पूर्व सांसद और कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री करुणा शुक्ला का रामकृष्णा हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

विस अध्यक्ष डॉ. महंत ने करूणा शुक्ला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने अविभाजित मध्यप्रदेश की पूर्व विधायक, सांसद एवं प्रदेश की कद्दावर नेता श्रीमती करुणा शुक्ला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अपने संदेश में डॉ महंत ने कहा कि श्रीमती शुक्ला ने हमेशा मूल्यों की राजनीति की। उन्होंने सदैव अपने क्षेत्र एवं प्रदेश की समस्याओं को मुखरता से सदन में उठाया और उनके निराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रही। श्रीमती करुणा शुक्ला को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं विपत्ति की इस घड़ी में उनके शोक संतप्त परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

निधन

महेश कुमार वर्मा

खरोरा। ग्राम मेकरी (करहीबाजार) निवासी गृहग्राम ग्राम बंगोली निवासी महेश कुमार वर्मा उम्र 30 पिता स्व.अर्जुन सिंह वर्मा का दिनॉक 26 अप्रेल को आकस्मिक निधन हो गया। जिसका अंतिम संस्कार बलौदाबाजार नगर पालिका। मुक्तिधाम में किया गया। मृतक के माता-कुमारी वर्मा, बड़ा भाई-दिनेश वर्मा व चिराग वर्मा, सानवी वर्मा के चाचा तथा रामनारायण वर्मा, नकुल वर्मा के भतीजा थे।

रमेश पासवान

कोरबा। जिले के वरिष्ठ पत्रकार रमेश पासवान का आज सुबह करीब 5:30 बजे असामयिक निधन हो गया। यह घटना सांस लेने में आई परेशानी और सीने में अचानक उठे दर्द के बाद हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में हुई। उनके आकस्मिक निधन से उनके मित्रों, पारिवारिक जनों और पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। वे 56 वर्ष के थे।

वत्सला गायकवाड़

राजनांदगांव। जमातपारा निवासी 96 वर्षीय श्रीमती वत्सला गायकवाड़ पति स्व.बीए गायकवाड़ का निधन 25 अप्रैल को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे सुरेश, रमेश, महेश गायकवाड़ की मां थी। स्व. श्रीमती वत्सला गायकवाड़ धार्मिक एवं धर्मपरायण थी। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

डा. हरिशंकर मिश्रा

रायपुर। डा. हरिशंकर मिश्रा (मोहरेंगा वाले) का आज निधन हो गया। वे संगीता शुक्ला व सरिता बाजपेयी के पिता एवं डा. प्रदीप शुक्ला व वीरेंद्र शुक्ला के ससुर थे। कोविड नियम के तहत बिलासपुर में उनका अंतिम संस्कार हुआ। मृतात्मा के लिए सभी स्नेहीजन घर से ही संवेदना व्यक्त करें।

पवन कुमार साहू

भिलाई। स्वेच्छिक सेवानिवृत्त बीएसपी ब्लास्ट फर्नेस कर्मी सेक्टर 7/सडक 7/क्वाटर 3एच निवासी पवन कुमार साहू का सेक्टर 9 हास्पिटल में 25अप्रेल2021को निधन हो गया है , दुष्यंत, यशवंत व नेहा साहू के पिता थे। वह साहू मित्र सभा, कर्मा सेवा समिति के आजीवन सदस्य थे, एवं साहू मित्र सभा सेक्टर 7, 8, 9, 10 के सक्रिय सदस्य थे ।

राजेश उपाध्याय

भिलाई नगर। संगम बेकरी एंड स्वीट स्मृतिनगर भिलाई के संचालक वैशाली नगर निवासी श्री राजेश उपाध्याय गुड्डू 52 साल का आज संध्या 4:30 बजे उपचार के दौरान बीएम शाह अस्पताल शास्त्री नगर मे निधन हो गया वे शहर के प्रमुख व्यवसायी गजराज उपाध्याय के भतीजे, युवा व्यावसायी विनोद उपाध्याय का छोटा भाई, अजय उपाध्याय, अमित उपाध्याय, संजय उपाध्याय के बडे भाई थे।

हाजी शैखलाल अशरफी

भिलाई नगर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, मोहद्दिसे आजम मिशन के अध्यक्ष,महबूब मसाला शॉप कैम्प 2 मार्केट के संचालक श्री हाजी शैख लाल अशरफी का 24 अप्रैल को कैम्प 2 निवास पर देहांत हो गया वे 78 साल के थे ।

कोरोना की दवाइयों के किट लोगों के घर तक पहुंच रही इसी से मिल रही संक्रमण रोकने में मदद

18 से 44 वर्ष के लोगों को मुफ्त में कोविड वैक्सीन लगाने की कार्य योजना तैयार

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी के मीडिया प्रमुखों से की चर्चा
- मुख्यमंत्री ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौर में प्रेस और मीडिया की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण
- राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में हुई कई गुना वृद्धि

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजधानी के मीडिया प्रमुखों से चर्चा की और उनसे महत्वपूर्ण सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोरोना को हराने में किसी भी तरह से फंड्स की कमी नहीं होने दी जाएगी। राज्य में सबके सहयोग से कोरोना को जल्द से जल्द हराना है। इसमें समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ प्रेस और मीडिया के योगदान को भी भुलाया नही जा सकता। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौर में प्रेस और मीडिया की भूमिका बहुत अहम है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में वर्तमान सरकार के आते ही स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए हर संभव पहल की गई और मरीजों के बेहतर इलाज के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में कई गुना की वृद्धि की गई है। वर्तमान में राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति पर सतत निगरानी रखते हुए हर आवश्यक संसाधन की व्यवस्था तत्परता से की जा रही है। यही वजह है कि राज्य में वर्तमान में आईसीयू बेड, एचडीयू बेड तथा ऑक्सीजन बेड पर्याप्त है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2018 में 279 बेड थे, जिसे बढ़ाकर 729 कर दिया गया है। ऑक्सीजन बेड 1242 से बढ़ाकर 7042 तक पहुंचाया गया है। पहले एचडीयू बेड एक भी नही था, परंतु अभी 477 एचडीयू बेड है। प्रदेश के अस्पतालों में 15001 जनरल बेड थे, जिसे बढ़ाकर 29667 तक कर दिया गया है। प्रदेश में 2018 के अंत में 204 वेंटिलेटर्स थे, जिसे बढ़ाकर 593 कर दिया गया है। इस तरह राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में कई गुना की वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि राज्य में वर्तमान में कोरोना संक्रमण से बचाव और इसके रोकथाम के लिए हर आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। इसके तहत कोरोना की दवाईयों के किट ग्रामीण इलाकों में लोगों के घर-घर तक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे संक्रमण रोकने में काफी मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 6 लाख 39 हजार 696 लोग संक्रमित हुए हैं, जिनमें से 5 लाख 9 हजार 622 लोग रिकवर कर चुके हैं। वर्तमान में एक लाख 22 हजार 963 लोग एक्टिव संक्रमित है। एक्टिव पेशेंट अनुपात 19.22 प्रतिशत के आसपास है, वहीं रिकवरी की दर 79.67 प्रतिशत है।

साधन सम्पन्न राज्य पीछे

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ कोविड वैक्सीनेशन के मामले में देश के कई विकसित और साधन सम्पन्न राज्यों को पीछे छोड़ चुका है। प्रदेश में 53 लाख से ज्यादा डोज वैक्सीन के लग चुके हैं और देश के बड़े राज्यों में हमारा स्थान दूसरा हैं। छत्तीसगढ़ में आगामी 1 मई से हम एक नया इतिहास रचने जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश के 18 वर्ष से लेकर 44 वर्ष तक के लोगों को मुफ्त में कोविड वैक्सीन लगाएंगे और इसके लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इसमें सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक दोनों को 25-25 लाख वैक्सीन डोज अर्थात कुल 50 लाख डोज के लिए आदेश भी कर दिया गया है।

फ्रंट लाईन वर्कर

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने चर्चा करते हुए कहा कि प्रेस और मीडिया लोकतंत्र के फ्रंट लाईन वर्कर हैं। आज कोविड आपदा के बीच भी वे ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के संबंध में मृत्यु, अंतिम संस्कार, दवाओं, ऑक्सीजन आदि के बारे में कई भ्रॉमक खबरें काफी वायरल होती है, जिसका नकारात्मक प्रभाव जनता पर पड़ता है।

फंड्स की कोई कमी नहीं

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमने कोरोना की इस लड़ाई में फंड्स की कमी नही होने देने का संकल्प लिया है। राज्य में इन दो वर्षों में स्वास्थ्य बजट में 880 करोड़ रूपए, एसडीआरएफमें इस वर्ष 50 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। यहां जनता ने बढ-चढ़कर मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहायता की है, जो सरकार पर जनता के अटूट भरोसे का परिचायक है। इस कोष से हमने अभी तक 73 करोड़ 53 लाख रूपए कोविड के खिलाफलड़ाई के लिए जिलों को जारी कर चुके हैं। इस तरह अब तक 1003 करोड़ 53 लाख रूपए स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगा चुके हैं। वहीं अब भी मुख्यमंत्री सहायता कोष में 53 करोड़ 88 लाख रूपए जमा है। उनका उपयोग भी कोविड की लड़ाई में किया जाएगा।

सर्दी, खांसी, बुखार, इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों वाले लोगों की पहचान कर अनिवार्य रूप से करें कोरोना जांच

- संसदीय सचिव गुरुदयाल सिंह बंजारे ने किया कोविड अस्पताल का निरीक्षण

रायपुर। संसदीय सचिव गुरुदयाल सिंह बंजारे ने बेमेतरा जिले के विकासखण्ड नवागढ़ स्थित कोविड-19 अस्पताल का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि नवागढ़ के आईटीआई छात्रावास को 50 बिस्तर वाले कोविड-19 अस्पताल (कोविड केयर सेंटर) के रुप मे चिन्हांकित किया गया है। गुरूदयाल बंजारे ने निरीक्षण के दौरान कोविड-19 हॉस्पिटल में की गई उचित व्यवस्था के लिए प्रसन्नता जाहिर की। संसदीय सचिव श्री बंजारे ने चिकित्सा दलों को अपने-अपने क्षेत्र में सर्दी, खांसी, बुखार, इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों वाले लोगों की पहचान कर उनका प्राथमिकता के साथ कोरोना टेस्ट करने के निर्देश दिए। श्री बंजारे ने कोविड अस्पताल में कोरोना संक्रिमत मरीजों की जांच एवं इलाज कर रहे चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ की सुरक्षा के साथ-साथ सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के भी निर्देश दिए।

संसदीय सचिव श्री बंजारे ने इस मौके पर अधिकारियों से कहा कि कोरोना संक्रमित पाए गए लोगों के सम्पर्क में आए अन्य लोगों की भी 12 घंटे के भीतर पहचान कर उनका अनिवार्यतः कोविड टेस्ट किया जाए। सम्पर्क में आए लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर स्थिति के अनुसार उन्हें कोविड अस्पताल अथवा शासन के गाइडलाइन के अनुरूप होम आईसोलेशन में रहकर कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए ईलाज कराने संबंधी निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान नवागढ़ अनुभाग की तहसीलदार सुश्री रेणुका रात्रे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.एल. बर्मन उपस्थित थे।

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के सभी सदस्य अपने परिवारजनों का कराएंगे सशुल्क टीकाकरण

- राज्य प्रशासनिक सेवा के सभी सदस्य कोविड-19 महामारी से निपटने कटिबद्ध

रायपुर। कोविड-19 महामारी के नियंत्रण हेतु राज्य शासन द्वारा 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का निशुल्क टीकाकारण करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान मे राज्य शासन के द्वारा महामारी के नियंत्रण हेतु अनेको प्रयास किये जा रहे है जिसमे धनराशि की आवश्यकता पड़ रही है। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारीगण सतत रूप से शासन के निर्देशानुसार महामारी से निपटने में लगे हुए है। इसी परिपेक्ष्य में राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि संघ के सभी सदस्य अपने परिवारजनों का सशुल्क टीकाकरण करवाएंगे। शासन के द्वारा चिन्हांकित टीकाकरण केंद्र में जो भी राशि देय होगा उसका भुगतान करते हुए अपने परिवार के सदस्यों का टीकाकरण करवाया जाएगा, जिससे शासन को राशि की वचत होगी और यह राशि महामारी के नियंत्रण में उपयोग हो सकेगी। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अध्यक्ष श्री आशुतोष पांडेय ने कहा है कि राज्य प्रशासनिक सेवा के सभी सदस्य कोविड-19 महामारी से निपटने हर तरह से कटिबद्ध है।

खाद्य मंत्री ने जनसम्पर्क विभाग के डॉ. छेदीलाल तिवारी के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया

रायपुर। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने जनसम्पर्क विभाग के सहायक संचालक डॉ. छेदीलाल तिवारी के निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया है। श्री भगत ने अपने शोक संदेश में कहा है कि डॉ. तिवारी ने मेरे जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दीं। वे कर्तव्यनिष्ठ, विनम्र और मेहनती अधिकारी थे। उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वे उनके परिवारजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

भाजपा नेता कहां गए वैक्सीन की कीमतों को लेकर बोलती बन्द हो गई : उपाध्याय

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय का वैक्सिनेशन को लेकर बड़ा बयान आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार की मंशा भारत में एक मई से 18 साल से ज़्यादा उम्र वाले हर व्यक्ति को वैक्सिनेशन हो नहीं चाहती। उन्होंने कहा, ये देश में कोरोना टीकाकरण का तीसरा चरण होगा, जिसमें अब 18 साल से 45 साल के उम्र के लोगों को भी शामिल कर लिया गया है। परंतु केन्द्र वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों को अपने नियंत्रण में लेकर राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। विकास ने कहा,पूरे विश्व में फ्री वैक्सिनेशन को लेकर अभियान चलाया जा रहा है वहीं मोदी सरकार निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। विकास उपाध्याय ने मीडिया से बात करते हुए कहा,वैक्सीन निर्माता कंपनियां अपने स्टॉक का 50त्न हिस्सा केंद्र सरकार को बेचेंगी और बाक़ी बचे 50त्न में से राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों को देंगी यह पॉलिसी ही गलत है। विकास ने कहा,सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ़इंडिया ने कहा है कि वो कोविशील्ड वैक्सीन राज्य सरकारों को प्रति डोज़ 400 रुपये और निजी अस्पतालों को प्रति डोज़ 600 रुपये में देगी। जबकि केन्द्र को वही कंपनी 150 रुपये में दे रही है। इसी से स्पष्ट है कि केन्द्र ने कंपनी को हाइजेक कर लिया है। एक ही देश में एक ही वैक्सीन के तीन अलग अलग मूल्य का होना ही इस बात को प्रमाणित करता है कि मोदी सरकार के नियत में खोट है। विकास उपाध्याय ने कहा,निजी अस्पतालों को अब तक केंद्र सरकार से जितने रुपये में कोवैक्सीन मिल जा रही थी, अब उससे आठ गुना ज़्यादा तक की क़ीमत में लेनी होगी. इसी तरह राज्यों को अब चार गुना ज़्यादा क़ीमत चुकानी होगी। विकास उपाध्याय ने कहा,कोरोना वैक्सीन की क़ीमत केंद्र और राज्यों के लिए समान होना चाहिए। केन्द्र ऐसा नहीं करती है तो 1 मई से वैक्सिनेशन के अभियान को शुरू करने राज्यों को दिक्कतें आ सकती हैं। विकास उपाध्याय ने कहा, छत्तीसगढ़ के भाजपा के नेता कहाँ छुप गए जो इस पर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

आपसी रंजिश और विवाद के चलते निगरानीशुदा की चाकू मारकर हत्या

रायपुर। एक तरफ छत्तीसगढ़ में कोरोना से त्राहिमाम मचा है। वहीं, दूसरी तरफ अपराध के मामलों में कोई कमी नहीं आ रही है। ताजा मामला रायपुर के खमतराई इलाके का है। बंधवातालाब रामेश्वरनगर में सोमवार को दिनदहाड़े आपसी विवाद और रंजिश में एक निगरानी बदमाश की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। खमतराई पुलिस थाना प्रभारी विनित दुबे ने बताया कि सोमवार दोपहर डेढ़ बजे भनपुरी स्थित वार्ड क्रमांक पांच बंधवा तालाब चेतन किराना दुकान के पास रामेश्वर नगर में इलाके के निगरानी गुंडा बदमाश मनीष खातरकर उर्फ गार्डन पिता स्व.भईया लाल (28) निवासी रामेश्वरनगर की मोहल्ले के फिरोज खान उर्फ फादू (21) पिता नईम खान ने बटनदार चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। दोनों के बीच पिछले कई दिनों से विवाद चला आ रहा था। विवाद का बदला लेने आरोपित ने पूरी योजना बनाकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित फिरोज रामेश्वरनगर, आजाद चौक का रहने वाला है। पूछताछ में उसने आपसी लड़ाई-झगड़े के दौरान मनीष की हत्या करना कुबूल किया।

टीकाकरण | कोविन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होगा

राज्य ने दो उत्पादकों को 50 लाख डोज वैक्सीन के आर्डर दिए

- 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के हितग्राहियों का तत्परता से टीकाकरण किया जायेगा

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के समस्त नागरिकों का टीकाकरण करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस हेतु प्रथम किश्त के रूप में राज्य शासन ने वैक्सीन के दोनों उत्पादकों (सीरम इंस्टीट्यूट एवं भारत बायोटेक) को 50 लाख डोज वैकसीन का आर्डर दिया है।

वैक्सीन प्राप्त होते ही योजनाबद्ध तरीके से राज्य में 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के हितग्राहियों का तत्परता से टीकाकरण किया जायेगा । इस हेतु राज्य के सभी ज़िलों के वैक्सीनेटर का प्रशिक्षण भी किया जा रहा है। शासकीय केन्द्र में होने वाला टीकाकरण पूर्णतः निःशुल्क होगा ।

केंद्र सरकार के निर्देशानुसार प्रारंभ में 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के नागरिकों के टीकाकरण हेतु पंजीकरण के लिये हितग्राहियों को केवल कोविन एप एवं आरोग्य सेतु एप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण की ही सुविधा मिलेगी - सेशन साइट पर पहुँच कर वहीं ऑन साइट पंजीकरण कराए जाने का प्रावधान नहीं रहेगा । वर्तमान में राज्य को केंद्र से मिलने वाली वैक्सीन डोसेज में से कुछ वैक्सीन निजी संस्थानों की मांग अनुसार उन्हें भुगतान के आधार पर दी जा रही है । परन्तु केंद्र सरकार के निर्देशानुसार ये वैक्सीन डोसेज दिनांक 1 मई 2021 से निजी संस्थानों को नहीं दी जा सकेंगी ।

1 मई 2021 से प्रारंभ होने वाले टीकाकरण के तीसरे चरण के लिए राज्य के निजी संस्थान भी वैक्सीन उत्पादकों से वैक्सीन स्वयं क्रय कर सकेंगे और सभी पात्र नागरिकों का टीकाकरण कर सकेंगे । किसी भी निजी संस्थान में कोविड वैक्सीनेशन सेंटर बनाने हेतु संस्था में कोल्ड चेन उपकरण तथा पर्याप्त संधारण क्षमता, प्रतीक्षालय, टीकाकरण एवं टीकाकरण पश्चात् निगरानी कक्ष हेतु पर्याप्त कक्ष/स्थान की उपलब्धता, वैक्सीनेटर तथा वैरीफायर की पर्याप्त संख्या उपलब्ध होनी चाहिये। टीकाकरण पश्चात् ए.ई.एफआई. के प्रबंधन हेतु भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार अनिवार्य रूप से व्यवस्था होनी चाहिये। कोविन पोर्टल में कोविड वैक्सीनेशन सेंटर का पंजीकरण जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा किया जायेगा। ऐसे निजी स्वास्थ्य संस्था जो पूर्व में कोविन में पंजीकृत है उन्हें पुनः पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है ।

कर्मचारियों एवं उनके परिजनों का टीकाकरण सुनिश्चित

इसी प्रकार 1 मई 2021 से औद्योगिक संस्थान भी स्वयं वैक्सीन उत्पादकों से क्रय कर अपने कर्मचारियो एवं उनके परिजनों का टीकाकरण सुनिश्चित कर सकेंगे। ऐसे औद्योगिक संस्था जहां अस्पताल है उनका पंजीकरण कोविन में औद्योगिक संस्था कोविड वैक्सीनेशन सेण्टर के रूप में किया जा सकता है । ऐसे औद्योगिक संस्था जहां उपयुक्त अस्पताल नहीं है उन्हें वर्तमान में कार्यरत निजी कोविड वैक्सीनेशन सेण्टर से मैपिंग कर कोविड-19 टीकाकरण किया जा सकता है ।

संपादकीय

चुनाव आयोग को कोर्ट की फटकार

जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए है वहां अब कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ने लगी है, बंगाल में तो अभी और एक चरण का मतदान होना बाकी है। बंगाल में ही कोरोना वायरस के ज्यादा मामले सामने आ रहे है, वहां भाजपा, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों के अलावा कांग्रेस की भी कई बड़ी रैलियां हुई है। जिसमें लाखों की संख्या में लोग शामिल होते रहे है, इसमें से अधिकांश लोगों ने मास्क भी नहीं पहना था। सोशल डिस्टेंसिंग का तो सवाल ही नहीं पैदा होता, जाहिर है अब इन चुनावी राज्यों में भी कोरोना विस्फोट होगा। इसे लेकर मदरास हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाई है, कोर्ट का कहना है कि इन चुनावी राज्यों में कोरोना फैलने के लिए सिर्फ चुनाव आयोग ही जिम्मेदार है और इसके लिए क्यों न उसके अधिकारियों को दंडित किया जाएं। दरअसल चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान को ही प्राथमिकता दी थी कोरोना को लेकर जो गाईडलाईन जारी की गई थी उसका पालन कराने में चुनाव आयोग विफल रहा। बाद में जब कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा होने लगा तब कहीं जाकर चुनाव ओयाग ने बंगाल में चुनावी रैलियों पर रोक लगाई, तब तक तो जो होना था वह हो गया था। चुनाव आयोग यदि पहले ही स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इस तरह के एहतियाती कदम उठाता और रैलियों पर पाबंदी लगाता तो चुनावी राज्यों में कोरोना संक्रमण के भयावह रूप से फैलने का खतरा पैदा नहीं होता। बहरहाल अब कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद चुनाव आयोग ने 2 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने पर विजय रैली निकालने पर पाबंदी लगा दी है। चुनाव आयोग को हइस निर्णय का देर आयद दुरूस्त आयद मान कर स्वागत ही किया जाना चाहिए। अब स्थिति और विकराल हो रही है, ऐसे में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद यदि विजय रैलियां निकलेंगी तो निश्चित रूप से कोरोना संक्रमण और ज्यादा फैलेगा। यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है की वह अपने इस फैसले का कड़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चित करें ताकि बाद में स्थिति और न बिगड़े। राजनीतिक दलों को भी चाहिए कि वे चुनाव के नतीजे निकलने के बाद अपने उत्साह पर काबू रखें और विजय रैलियां निकालने से परहेज करें।

विचार

आज फिर उदास है कबीर चौरा

बनारस संगीत घराने की नर्सरी कबीर चौरा का एक बिरवा, जो संगीत का वटवृक्ष बन गया था, कोविड की भेंट चढ़ गया। कबीर चौरा की इस उदासी का सबब बेवजह कतई नहीं। राजन मिश्र ने यहीं संगीत का ककहरा सीखा। बनारस की जीवंत संगीत परंपरा के स्तम्भ राजन मिश्र के निधन से एक ऐसा शून्य उपजा है, जिसकी भरपाई कठिन तो है ही, नई पीढ़ी के लिए चुनौती भी है। काशी या बनारस अपने जीवंत शहर होने का प्रमाण कालांतर में विभिन्न रूपों में पूरी दुनिया में प्रस्तुत करता रहा है। काशी की पहचान 'सांस्कृतिक राजधानी' के रूप में है! तो वह राजन मिश्र सरीखे नामचीन, समर्पित साधकों की वजह से रही है। इन पांच हजार साल के कालखण्ड और लम्बी परंपरा को अपने-अपने योगदान से ऐसी अनेक विभूतियों ने सींचा है, जिनका समर्पण प्रेरक है। राजन मिश्र संगीत की सुदृढ़ परंपरा से उपजे थे। अपने समय कंठ संगीत में जिनकी तूती बोलती थी, ऐसे संगीत पुरुष बड़े रामदास से 'गंडा बंधवाने' (शिष्यत्व ग्रहण करने) की परंपरा के बाद पिता हनुमान प्रसाद और चाचा गोपाल मिश्र के कड़े अनुशासन में एक ओर, संगीत की पारंपरिक शिक्षा, दूसरी ओर, अपने कत्थक समुदाय के सम्भवतः पहले पोस्ट ग्रेजुएट और मेरे सहपाठी राजन का प्रारंभिक जीवन कठिन और साधनों की कमी का जीवन था। दो परिवारों में ट्यूशन के लिए गर्मी, जाड़ा, बरसात में 12-15 किलोमीटर की साइकिल यात्रा के बाद आधी रात और कभी-कभी भोर तक लंबे रियाज की कड़ी तपस्या और साधना की उपज राजन और उनके छोटे भाई साजन की जोड़ी ऐसी बनी कि दुनिया के लिए उदाहरण बन गई। राजन-साजन मेरे पड़ोसी थे, पर पांच दशकों में कभी भी भाई-भाई में कोई मतभेद या विवाद सुना भी नहीं गया। भरे मन से 1977 में काशी को अस्थाई रूप से अलविदा कहकर दोनों भाई दिल्ली गए जरूर, लेकिन दिल में बनारस रचा-बसा रहा। होली, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर काशी जरूर रहते थे। होली के हुड़दंग में प्रौढ़ राजन-साजन बच्चे बन जाते। यही सहजता, शालीनता राजन की पहचान थी। पद्मविभूषण, यश भारती, संगीत नाटक अकादमी सम्मान पाकर भी राजन मुहल्ले के लिए 'का हो राजन चचा' ही बने रहे। अपने भव्य वस्त्रों - कुर्ता-धोती के लिए अपने दर्जी भरत जी के यहां दुनिया भूलकर घंटों सुख-दुख करते राजन, अपने नाई, दूधवाले सभी के सुख-दुख में शामिल राजन को देख यही भाव आता था कि इतना बड़ा आदमी इतना सहज कैसे है? सब मानते हैं कि कबीर चौरा गली आधा दर्जन पद्म सम्मान से सम्मानित लोगों की ऐतिहासिक गली है। यहां से शुरू राजन की संगीत यात्रा में अमेरिका, जर्मनी, रूस, सिंगापुर, मस्कट, बांग्लादेश, ऑस्ट्रिया आदि पड़ाव रहे। वैसे 1978 में विदेश में श्रीलंका में पहला कार्यक्रम उनकी यादों में रचा-बसा था। दिग्गज शास्त्रीय गायक की खूबी उनके मन-मिजाज की सरलता थी। मंच पर बैठे राजन के गायन में एक सम्मोहन था। बनारस घराने की खास बंदिशें और टप्पा प्रस्तुत करते हुए आंखें बंद कर जब सुर साधते, तो उनके बोल-बनाव में आध्यात्मिकता के सुरों की बानगी मिलती थी। रंजकता, भावुकता से शुरू उनका गायन श्रोताओं को रसिकावस्था तक पहुंचाने में सफल रहता था। अपनी गोद में रखे सुर बहार और शब्दों की लय को एकाकार करने में निपुण राजन संगीत की बारीकियां भी श्रोताओं को समझाते थे।

साकार हो मोदी दादा का शोनार बांग्ला का स्वप्न

कैलाश विजयवर्गीय
राष्ट्रीय महासचिव भाजपा,
प्रभारी पश्चिम बंगाल प्रदेश

> कोलकाता के जिस क्षेत्र को ममता दीदी के खासमखास बाबी हकीम ने मिनी पाकिस्तान कहा था वहां के नगर निगम पार्षद रहमत अंसारी पर दो-तीन हत्याओं सहित बीसियों मुकदमे चल रहें हैं और वे हिंदू दमन के लिए बड़े कुख्यात रहें हैं. इस पूरे क्षेत्र के हिंदुओं को अत्याचार से, दमन से, डरा-धमकाकर, बहू बेटी की इज्जत पर हाथ डालकर भगा देने और इसे मिनी पाकिस्तान बना देने का श्रेय ममता बनर्जी की और से रहमत अंसारी को मिलने वाली शह व प्रश्रय को ही है. रहमत अंसारी और बाबी हकीम के मामलों को ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक स्वयं डायरेक्ट डील करते हैं व अंसारी की करतूतों के लिए उसके ट्रबल शूटर बने रहते हैं. निश्चित ही बंगाल की जनता ने मोदी जी के इस शोनार बांग्ला के स्वप्न को बंगाल का भद्रलोक आशीर्वाद दे रहा है और आगे भी देगा।

बंगाली कहावत है सोरसे मोद्हे भूत, तहाले भूत केमोन भाग्बे यानि सरसों की जड़ में सरसों का भूत है, तो भूत भागेगा कैसे? यानि समस्या के मूल में अन्य समस्या है. इसे हम इस प्रकार भी कह सकतें हैं की पश्चिम बंगाल में वामपंथ की पुरानी समस्या के जड़ में ममता बनर्जी की तृण मूल नामक समस्या पहुँच गई है. गुंडागर्दी, रक्तरंजित राजनीति, अपहरण, लूटमार, दादागिरी, हफ्तावसूली, कटमनी आदि आदि सब इस तृणमूल वाली समस्या के ही भाग हैं. इस स्थिति में किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जिसे लोकतंत्र में अगाध श्रद्धा हो, जिसमें जनता से प्रेम करने की क्षमता हो, जिसे लोगों की संवेदनाओं को जागृत करते आता हो, जो स्वयं कलाकार होकर बंगाल की कलाप्रेमी जनता के साथ तादात्म्य बैठा सके और साथ ही साथ जो वामपंथ प्रेरित और तृण मूल द्वारा अग्रेषित हिंसा का दमन करना भी जानता हो. ऐसे ही व्यक्ति के रूप में हमें श्रीमान नरेंद्र मोदी मिले हैं. हमारे प्रधानमंत्री जी यूं तो समूचे भारत के प्रति संवेदनशील व प्रेमभाव से ओत प्रोत हैं किंतु बंगाल के प्रति निश्चित ही उनमें कुछ अधिक श्रद्धा भाव है. बंगाल के प्रति मोदी जी का यह अतिरिक्त प्रेमभाव संभवतः स्वामी विवेकानंद जी के प्रति उनके आदर का प्रतीक है. बंगभूमि के प्रति प्रधानमंत्री जी का यह आदर भाव कविवर रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के मर्म की समझ का प्रतीक भी है. राष्ट्रीय स्वयं संघ परिवार व भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ के शलाका पुरुष पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बंगाल पुत्र होना भी मोदी जी के बंगाल प्रेम का प्रमुख कारण है और स्वर्गीय अटलबिहारी वाजपेयी जी की वह कविता भी उनके बंगाल प्रेम का कारण है जिसमें अटलजी ने बंगाल को भारत की भुजा की संज्ञा दी थी, इससे भी आगे बढ़कर बंगाल को भारत का सांस्कृतिक द्वार कहा था. कदाचित बंगाल की यही ध्वस्त हो गई छवि प्रधानमंत्री जी को व्यथित व भाव विव्हल करती होंगी. इन्ही ध्वस्त छवियों के पुनर्निर्माण व पुनर्स्थापना व बंगाल को भारत की सांस्कृतिक, साहित्यिक राजधानी बनाने हेतु मोदी जी कृतसंकल्पित हैं।

पिछले 50 वर्ष का शासन बंगाल के भद्रलोक के लिए एक बुरे स्वप्न की तरह रहा है. इस आधी सदी के पहले पांच वर्षों में देश में आपातकाल के सूत्रधार सिद्धार्थ शंकर रे का आततायी शासन. बाद के 35 वर्षों में वामपंथ का ऐसा शासन जिसे राष्ट्रप्रेम, धर्म, संस्कार, परंपराओं को ध्वस्त, नष्ट व कुचलने में बड़ा आनंद आता था और इसके बाद 10 वर्षों का ममता दीदी का शासन जो वामपंथियों के कुशासन से भी कहीं अधिक दमनकारी व राजनीति के अपराधीकरण की पराकाष्ठा वाला सिद्ध हुआ. दीदी की सत्ता ने बंगाल में न केवल सतत हिंदू विरोधी खेल खेले बल्कि बेशर्मी व अराजकता की हद तक खेले. मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के शीर्ष केंद्र के रूप में यदि किसी राज्य को देखा

और गिना जाएगा तो उसमें बंगाल सर्वोच्च स्थान पर होगा. अपने नागरिकों और स्थानीय मूल निवासियों के मूंह का निवाला छीन कर पड़ोसी देशों से बंगाल में घुस आये अवैध घुसपैठियों को खिलाने का कोई अवसर ममता दीदी ने छोड़ा नहीं. बंगाल में मदरसे बढ़ रहे हैं, मौलवियों को वेतन और वेतनवृद्धि दी जा रही है, पुजारियों को हतोत्साहित व भयभीत किया जा रहा है, मूल बंगालियों के साथ हिंसा, मारकाट, दबाव, भयभीत करने, अपहरण, फिरौतियों की घटनाएं हो रही हैं. हिंदू त्यौहार, उत्सव, पर्व तो जैसे उपेक्षा व उपहास का केंद्रबिंदु बन गए. पिछले वर्षों में सैकड़ों निरपराधों की राजनैतिक हत्याएं देखी हैं बंगाल के भद्रलोक ने. पहले रक्त पिपासु वामपंथ ने और बाद में अहंकारी और तुष्टिकरण की पुरोधा ममता बनर्जी ने बंगाल में राजनीति और हिंसा को एक दूसरे का पर्याय बना दिया है. पिछले लगभग 50 वर्षों के इस क्रम से देश भर में बंगाल को अपराधियों के राज्य जैसी घृणित संज्ञा मिलने लगी है।

यद्दपि चुनाव आयोग के व्यवस्थित चुनाव प्रबंधन के कारण पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा वर्तमान विधानसभा चुनाव के संपन्न हो चुके छः चरणों में कम हिंसा देखने को मिली है; तथापि हिंसा करने के प्रयासों में तो तृणमूल ने तमाम प्रयास अवश्य किये हैं. यही कारण था की ममता दीदी बार बार चुनाव को आठ चरण में कराये जाने का सतत विरोध करती रही हैं. पिछले वर्षों में पश्चिम बंगाल की इस सांस्कृतिक भूमि को ममता दीदी के गुंडों ने संघ के स्वयंसेवकों, भाजपा के कार्यकर्ताओं व भोलीभाली निरीह जनता के रक्त से रक्तरंजित कर देने में कोई कसर नहीं छोड़ा है. देश विभाजन के समय मुस्लिम पक्ष द्वारा घोषित डायरेक्ट एक्शन डे जैसे वातावरण को छोड़ दें तो पश्चिम बंगाल मे आज जैसा जहरीला, मार काट वाला व तनिक सी भी वैचारिक या राजनैतिक असहमति पर हत्या कर दिये जाने वाला वातावरण इसके पूर्व कभी नहीं देखा गया. राजनैतिक मतभेद के कारण मासूम बच्चों, युवाओं, गर्भवती महिलाओं तक की हत्याओं के घटनाक्रम यहां हमने सतत देखे हैं।

अभी हाल ही में ममता सरकार के मंत्री बाबी हकीम ने भाजपा के कार्यकर्ताओं व केन्द्रीय सुरक्षा बल के लोगों को सूअर कहा है. क्या बंगाल का भद्रलोक इस प्रकार की रक्तरंजित राजनीति व शाब्दिक बदतमीजी को सहन कर सकता है? बाबी हकीम अपने मुस्लिम बहुल क्षेत्र की जनता से खुल्लमखुल्ला आव्हान करते हैं की भाजपा व सीआरपीएफ के लोग सूअर के बच्चें हैं, इन्हें मार डालो. पिछले ही वर्ष की बात है जब बाबी हकीम ने कोलकाता को मिनी पाकिस्तान कहा था। ऐसा उन्होंने पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'द डान' को दिये हुये साक्षात्कार मे कहा था। द डान को हकीम ने यह भी कहा था कि मुस्लिम समाज के लिए पाकिस्तान से भी अधिक मुफीद और सुरक्षित स्थान कोलकाता का मिनी पाकिस्तान है। यद्दपि बाबी हकीम की इस बात से अंशतः असहमत हूं क्योंकि कोलकाता का यह क्षेत्र अकेला मिनी पाकिस्तान नहीं है, बंगाल की मुख्यमंत्री रहते हुए ममता दीदी ने पूरे बंगाल मे जगह जगह कई मिनी पाकिस्तान विकसित कर दिये हैं. केवल और केवल वोट बैंक की राजनीति करते हुये ममता बनर्जी ने पूरे बंगाल मे मुस्लिम तुष्टिकरण के सारे रिकार्ड ध्वस्त कर डाले हैं।

संभल जाइए वरना हालात इससे भी बुरे हो जाएंगे

राजेश माहेश्वरी

> पिछले साल जब देश में कोरोना ने दस्तक दी थी, तब सरकार, प्रशासन और आम लोग भी इस वैश्विक महामारी के प्रति बहुत ही गंभीर थे। लेकिन अब जब फिर से कोरोना तेजी से सक्रिय हो रहा है तो सरकार, प्रशासन और आम लोग कुछ खास सतर्क नहीं दिख रहे। हालांकि, वैज्ञानिकों की मेहनत की बदौलत वैक्सीन भी तैयार हो गई है और लोग आगे आ रहे हैं। लेकिन यह महामारी हमारे देश में पूरी तरह हारी नहीं है। देश के जिन राज्यों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वहां तो सबसे पहले और युद्धस्तर पर कोरोना का टीकाकरण होना चाहिए। लोग कोरोना से बचाव के सारे नियम व सावधानियां भूल गये।

देश में कोरोना की कहर दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। लोगों की लापरवाही खतरे की घंटी से कम नहीं है। लोग लापरवाही की सरहद को लांघ रहे हैं। पिछले दिनों ही एक ऐसा मामला दिल्ली में देखने को मिला। जहां एक दम्पत्ति ने बिना पुलिस के रोकने पर पुलिसकर्मियों से बदतमीजी की। दम्पत्ति को पुलिस ने इसलिए पकड़ा था, क्योंकि उन्होंने ने मास्क नहीं लगाया था। देखा जाए तो एक ओर हम सरकार को व्यवस्था पर अपनी खीझ और गुस्सा निकालने से बाज नहीं आते हैं। वहीं दूसरी ओर हमारा गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार पूरे समाज के लिए खतरे का कारण बन सकता है।

वास्तव में कोरोना के प्रकोप के सामने सारी व्यवस्थाएं अस्त-व्यस्त हो गई हैं। ये होना स्वाभाविक भी है। 135 करोड़ की आबादी वाले देश में किसी महामारी से निपटना कोई सरल काम नहीं कहा जा सकता। पहली लहर से तो हमने मिलकर मजबूती से लड़ लिया था, लेकिन दूसरी लहर ने सारे दावों और हकीकतों को बेपर्दा कर डाला है। सरकारी व्यवस्था के साथ-साथ आम नागरिकों को ये भी समझा रही है कि वो मास्क लगाए, दो गज की दूरी रखे और समय-समय पर हाथ धोए। अब इससे शर्मनाक किसी ओर देश के लिए और क्या हो सकता है कि सरकार को मास्क लगाने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाना पड़ रहा है। मास्क न पहनने पर दण्डात्मक कार्रवाई करनी पड़ रही है। कुल मिलाकर ये कहा जा सकता है जब अमेरिका जैसा अति विकसित देश कोरोना के सामने घुटनों पर आ गया तो फिर भारत जैसे विकासशील देश के बारे में क्या कहा जाए।

जनवरी में टीकाकरण अभियान की शुरूआत के बाद देशवासियों ने समझ लिया कि अब कोरोना हमारा कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा। मार्च का महीना आते-आते हमने सोच लिया कि कोरोना तो चला गया है। हमने मास्क नहीं पहने, सुरक्षित दूरी नहीं बनायी, हमारी सामाजिक सक्रियता बढ़ी और दफ्तर सामान्य ढंग से चलने लगे। अप्रैल के पहले सप्ताह में संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख पार करने लगा जो संकेत था कि दूसरी लहर घातक है और इसका पीक

ऊपर जायेगा। ऐसे में जहां बदले विषाणु का वैज्ञानिक अध्ययन जरूरी है, वहीं बचाव की सामाजिक जवाबदेही भी जरूरी है।

प्रसिद्ध मेडिकल शोध-पत्रिका 'द लैंसेट' ने एक विश्लेषण प्रकाशित किया है, जिसका निष्कर्ष है कि कोविड-19 का संक्रमण हवा के माध्यम से बड़ी तीव्रता से प्रसारित होकर दूर तक संक्रमित करने की क्षमता रखता है। डॉपलेट्स से उतनी तेजी से संक्रमण नहीं फैलता। उस थ्योरी को खारिज कर दिया गया है। 'लैंसेट' का विश्लेषण ब्रिटेन, कनाडा और अमरीका के छह विशेषज्ञों ने किया है। ऐसा ही शोधात्मक अध्ययन जुलाई, 2020 में 200 से अधिक विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को लिखकर भेजा था कि कोरोना संक्रमण हवा से भी फैलता है। 'लैंसेट' में भारत में व्यापक रूप से फैल रहे कोरोना संक्रमण की बुनियादी वजह भी हवा बताई गई है। रपट में कहा गया है कि 10 से ज्यादा लोग एक स्थान पर लंबी देर के लिए इकट्ठा न हों। यानी मेले, रैलियां, चुनाव, बंद कमरों में बसने की मजबूरी आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं, जो संक्रमण फैला रहे हैं। रपट में चेतावनी दी गई है कि कमोबेश 2 महीने तक भीड़ और जमावड़ों से एहतियात बरतें। जिन इलाकों में संक्रमण के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं, उन पर ही कड़ी बंदिशें लगाई जाएं। पूर्ण लॉकडाउन की जरूरत नहीं है।

'द लैंसेट' की रपट प्रकाशित होने के बाद प्रमुख चिकित्सकों और वैज्ञानिकों की टिप्पणियों का सार यह है कि भारत में कोरोना संक्रमण की मौजूदा लहर अभी लंबी चलेगी। इसका ढलान कब शुरू होगा, फिलहाल अनुमान लगाना असंभव-सा है, लेकिन संक्रमण की तीसरी लहर भी आएगी और इतनी ही भयावह हो सकती है। फिलहाल भारत में संक्रमित मरीजों की संख्या 2.60 लाख से ज्यादा और मौतें करीब 1500 हो चुकी हैं। मौतें सितंबर, 2020 के पिछले 'चरम' से भी बेहद ज्यादा हैं, लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों का मानना है कि ये आंकड़े 14 दिन पहले के संक्रमण के हैं, लिहाजा नई संक्रमित संख्या इससे काफी अधिक है। ऐसा भी नहीं है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान देश भर में जो लॉकडाउन लगाया गया था, उसके दौरान सरकार और निजी क्षेत्र के स्तर पर, स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की, कोशिश नहीं की गई। हम पीपीई किट्स, वेंटिलेटर और मास्क के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हुए। हमने कोरोना के दो टीके बनाने और उनके उत्पादन में कामयाबी हासिल की और करीब 12 करोड़ नागरिकों को टीके की खुराकें भी दी जा चुकी हैं। लेकिन इन कोशिशों के बावजूद कई विसंगतियां सामने आई हैं। सिर्फ वेंटिलेटर की ही बात करें, तो 50,000 वेंटिलेटर बनाने के ऑर्डर ज्यादातर उन कंपनियों को दिए गए, जिनके पास बुनियादी ढांचा ही नहीं था। कोरोना की दूसरी लहर से देश के कई राज्यों में हालात गंभीर हो रहे हैं। हालात इतने खराब हो रहे हैं कि लॉकडाउन लगाने की नौबत आ रही है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैंने कई पेड़ों की सूखती टहनियों पर

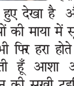

मैंने कई पेड़ों की सूखती टहनियों पर हरी कोपलों को फूटते हुए देखा है और उन नन्हीं पत्तियों की माया में सूखी टहनियों को भी फिर हरा होते देखा है। मैं जानती हूँ आशा और विश्वास जीवन की सूखी टहनियों को भी हरा कर सकती हैं।

- अनामिका चक्रवर्ती

जैसे सड़क पर हम गड्ढों से, कचरे से

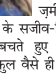

जैसे सड़क पर हम गड्ढों से,कचरे से, उबड़-खाबड़ ज़मीन और तमाम तरह के सजीव-निर्जीव अवरोधों से बचते हुए चलते हैं ना! बिल्कुल वैसे ही यहाँ भी चलना है! जानबूझ कर नकारात्मकता फैलाने का एजेंडा लेकर बैठे लोगों को नज़रंदाज़ करते हुए!

- शिवानी जयपुर

खास पाती | नंगे पाँव चलकर सोना उगाया

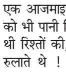

नंगे पाँव चलकर सोना उगाया था एक आजमाइश थी चिरागों की, जब अँधेरे में बैठ कर पर वो अरमानों का चूल्हा जलाते थे! थकान बनकर कभी पसीना ना निकला एक आजमाइश थी वक़्त की जब कांधों से खीचकर वो बैलो को खेत में घुमाते थे ! महसूस तो बहुत किया लहरो को किनारे से एक आजमाइश थी समुन्दर की जब बंजर में प्यासे रहकर वो सावन को भी पानी पिलाते थे ! कभी किसी को तन्हा न छोड़े एक आजमाइश थी रिश्तों की, जो वजह गुजर जाने के बाद उन्हें साथ छोड़ हँसा कर रुलाते थे ! चौखट में बैठकर कभी पैरो के छाले नही देखे एक आजमाइश थी आसरे की, जब कड़कती बिजली बरसते बादल में अपनो के वास्ते सुकूँ के छप्पर सवारते थे ! ज़मी में रहकर बुलन्दियों में ठहरे थे एक अजमाइश थी उसूलो की, जब बैर रखने वाले भी उन्हे अदब के साथ 'लाला' बुलाते थे !

- मयंक भूषण श्रीवास्तव

ये न समझो अन्दाज ही निराले

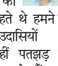

ये न समझो अन्दाज ही निराले हैं हमने अश्को से, गीत ढ़ाले हैं भाव के माँझी लहर- लहर तिरते हैं कोई दूर की पुकार लिए फिरते हैं जिन पलकों से अश्क ही अश्क बहते थे हमने उन आंखों में गीत डाले हैं हमने अश्कों से तड़पाते हैं जब उदासियों के अँधड़ , आके ठहर गये थे ,. जहां पतझड़ , उन्हीं पतझड़ की जली हुई शाखों से गीत के नर्म , कोंपल नए निकाले हैं हमने अश्कों से ... माना ! कि सहरा से मन में जलते हैं , फिर भी !शबनमी ख्वाब मन में पलते हैं , उन खारों में , जलती सी थारों में - ये फूल के गीत. भी , सम्भाले हैं

- अजय कुमार सिंह भदौरिया

धरा का श्रृंगार करे हम

देखो सांसे हो रही कम । दौलत ,महल सब सस्ती मिटे पलों में हस्ती,अहम ।

- सुरेश वैष्णव

आजकल टूटते पत्तों की आवाज

आजकल टूटते पत्तों की आवाज भर देती है मेरे कमरे का सूनापन मैं अपने अंदर सॉसों के साथ गिरते पत्तों की आवाज़ अक्सर सुन लेती हूँ लगता है संघर्ष बेमानी है और टूटना शायद जीवन की कहानी है

- बेनू सतीश कॉत

आपस में करते रहें ,थोड़ा हँसी मजाक पता नहीं ये ज़िंदगी ,कब

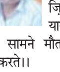

आपस में करते रहें ,थोड़ा हँसी मजाक। पता नहीं ये ज़िंदगी ,कब हो जाए खाक। कब हो जाए खाक ,शेष यादें रह जाएँ। खूब मजे से साथ,सभी के समय बिताएँ। देख सामने मौत ,नहीं हैं उससे डरते। मानवता के दूत,प्रेम आपस में करते।।

- डॉ बिपिन पाण्डेय

जिन्होंने अपनों को खो दिया, उनके लिए महामारी...

जिन्होंने अपनों को खो दिया, उनके लिए महामारी... जिनके अपने ठीक होकर घर लौटे,उनके लिए बीमारी... जो इससे अछूते हैं, उनके लिए सरकारी कलाकारी... और यही कलाकार पूरे देश को बर्बाद कर रहे हैं... अब भी संभल जाओ,विनती है।**-शोभा किरन**

QUIZ TIME

1) छत्तीसगढ़ में नगरसेना एवं नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना सर्वप्रथम कब की गई थी?
2) छत्तीसगढ़ के होमगार्ड्स की एक कंपनी में कुल कितने सैनिक होते हैं?
3) अनुसूचित जाति के लोगों को राहत पहुँचाने या उन पर हुए अत्याचार के मामले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को छत्तीसगढ़ पुलिस प्रशासन द्वारा कौन-सा पुरस्कार दिया जाता है?
4) छत्तीसगढ़ राज्य विधान सभा के प्रथम उत्कृष्ट भाजपा विधायक कौन थे?
5) छत्तीसगढ़ राज्य का आदर्श वाक्य कहाँ से लिया गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 1947 (2) 143 (3) राज्यपाल पुरस्कार (4) महेश तिवारी (5) भागवत गीता

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1740 : मराठा शासक पेशवा बाजीराव प्रथम का निधन। 1910 : इंग्लैंड में क्लोड ग्राहम व्हाइट नाम के पायलट ने पहली बार रात में विमान उड़ाया। 1914 : अमेरिका में वेस्ट वर्जीनिया के एस्सेल्स इलाके में एक कोयला खदान हादसे में 181 लोगों की मौत। 1932 : इंसानों के लिए पीत ज्वर का टीका विकसित करने की घोषणा। 1935 : रूस की राजधानी मॉस्को में भूमिगत मेट्रो ट्रेन की शुरुआत। 1937 : इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन का जन्म। 1943 : नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जर्मनी से जापान की अपनी यात्रा के दौरान मेडागास्कर के निकट एक जर्मन पनडुब्बी से जापानी पनडुब्बी में सवार हुए। 1945 : इटली के तानाशाह बेनितो मुसोलिनी, प्रेमिका क्लारा पेटाची और उसके सहयोगियों की हत्या। 1964 : जापान आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में शामिल हुआ। 1986: सोवियत संघ ने हादसे के दो दिन बाद स्वीकारा कि यूक्रेन के चेरनोबिल में परमाणु रिसाव हुआ। 1995 : दक्षिण कोरिया में मेट्रो में गैस विस्फोट होने से 103 लोगों की मौत। 1995 : श्रीलंका के पलाली में विमान दुर्घटना में 52 यात्रियों की मौत। 1996 : आस्ट्रेलिया के एक बंदूकधारी मार्टिन ब्रायंट ने तस्मानिया इलाके में गोलियां बरसाकर 35 लोगों को मारा। 2001 : अमेरिकी बिजनेसमैन डेनिस एंथनी ने पहले अंतरिक्ष पर्यटक बन इतिहास रचा। 2003 : दुनिया भर में कर्मचारी सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। 2003 : ऐपल ने आईटयून्स स्टोर की शुरुआत की, जिससे उपभोक्ता इंटरनेट से संगीत सीधे अपने फोन पर डाउनलोड कर सकते थे।

प्यूबर्टी के दिनों से ही इलियाना डीक्रुज झेल रही हैं ये दर्द

22 साल से जिंदा है यह 'गहरा घाव'

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस इलियान डीक्रूज ने खुलासा किया है कि बचपन से ही वह बॉडी शेमिंग की शिकार रही हैं। इलियाना बताती हैं कि आज भी हर दिन सोशल मीडिया के जरिए हर दिन कम से कम 10 लोग उनके मेसेज कर उनके बॉडी पाट्‌र्स को लेकर मजाक बनाते हैं। 'बर्फी' फेम इलियाना कहती हैं कि यह सब किसी बुरे सपने की तरह है। आप दूसरों की सोच नहीं बदल सकते, लेकिन एक लड़की होने के नाते आप खुद को जरूर समझा सकते हैं कि यह आपका शरीर है, अच्छा या बुरा आपको इससे प्यार करने की जरूरत है।

...तब मैं महज 12 साल की थी

'बॉलिवुड बबल' को दिए इंटरव्यू में इलियाना कहती हैं, 'मुझे आज भी वो दिन याद हैं। यह सब जैसे कल की ही बात हो। यह अजीब बात है, क्योंकि ऐसी बातें आपको अंदर से झकझोर देती हैं। जब मैं 12 साल की थी, तभी से मैं बॉडी शेमिंग का शिकार रही हूं।'

उसने कहा था- तुम्हारे बट्‌स कितने बड़े हैं

इलियाना आगे कहती हैं, 'तब मैंने प्यूबर्टी हिट किया ही था और राह चलते लोग भद्दे कॉमेंटस करते थे। कहते थे कि ओह माय गॉड, तुम्हारे बट्‌स कितने बड़े हैं? तब मुझे लगता था कि आखिर वह कहना क्या चाहते हैं।'

'धीरे धीरे उन बातों को होने लगता है यकीन'

इलियाना अपना दर्द बयान करते हुए कहती हैं, 'प्यूबर्टी के दिनों में आपका शरीर बदल रहा होता है। आप यह खुद को समझाते हैं कि यह सामान्य बात है, लेकिन तभी अनजान लोग आपके बारे में ऐसे बेहूदा कॉमेंट्स करने लगते हैं। धीरे-धीरे अपको भी उनकी बातों पर यकीन होने लगता है। मुझे लगता है कि यह सब किसी के भी मन में गहरा घाव छोड़ देता है। क्योंकि यह सब लंबे समय तक होता है।'

'इसे झेलने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए'

इलियाना कहती हैं कि इन सारी बातों को झेलने और इनसे उबरने के लिए बहुत हिम्मत की जरूरत होती है। वह बताती हैं, 'मैं हर दिन खुद से कहती हूं कि इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप खुद के बारे में क्या सोचते हैं, यह मायने रखता है।' इलियाना ने खुलासा किया है कि आज भी उन्हें हर दिन बॉडी शेमिंग के मेसेज आते हैं।

जहांगीर भाभा का किरदार निभायेंगे सैफअली खान!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के छोटे नवाब सैफअली खान सिल्वर स्क्रीन पर भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में शामिल होमी जहांगीर भाभा का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। होमी जहांगीर भाभा के जीवन पर एक फिल्म बनायी जा रही है। होमी जहांगीर भाभा परमाणु वैज्ञानिक थे, जिन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की कल्पना की थी। बताया जा रहा है कि फिल्म में होमी जहांगीर भाभा की भूमिका सैफअली खान निभाते नजर आ सकते हैं। रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनायी जा रही इस फिल्म का टाइटल 'एसेसिनेशन ऑफहोमी भाभा' दिया गया है। होमी जहांगीर भाभा की मौत कथित विमान दुर्घटना में हुई थी, लेकिन इस हादसे का सच कभी सामने नहीं आया। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि फिल्म में भाभा की जिंदगी से जुड़ी कई रहस्यमयी घटनाओं से पर्दा उठ सकता है। रिलायंस एंटरटेनमेंट की यह फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है।

सलमान ने सीटी मार गाने के लिये अल्लू अर्जुन को दिया धन्यवाद

मुंबई। दबंग स्टार सलमान खान ने सीटी मार गाने के लिये दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को धन्यवाद दिया है। प्रभुदेवा के निर्देशन में बनीं सलमान ख़ान की फिल्म 'राधे योर मोस्ट वांटेड भाई' का पहला गाना सीटी मार रिलीज़ कर दिया गया है। 'सीटी मार' एक डांस नबर है, जिसमें सलमान औ दिशा पाटनी डांस करते हुए दिख रहे हैं। इस गाने के लिए सलमान खान ने अल्लू अर्जुन का धन्यवाद किया है। सलमान खान ने इस गाने की लिंक ट्विंटर पर शेयर करते हुए लिखा, 'अल्लु अर्जुन सीटी मार के लिए शुक्रिया, आपने जिस तरह इस सॉन्ग में परफॉर्म किया है वह कमाल है।

मलाइका अरोड़ा ने प्रशंसकों को बताये फिंटनेस टिप्स

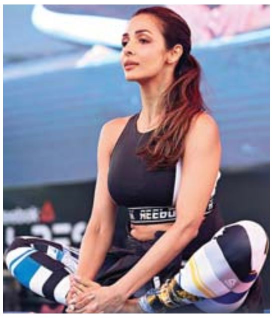

मुंबई(वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने अपने प्रशंसकों को फिट रहने के लिये टिप्स बताये हैं। मलाइका अरोड़ा फिटनेस को लेकर बहुत एक्टिव रहती हैं। मलाइका अक्सर योग टिप्स अपने फैंस के साथ शेयर करती हैं। इस बार मलाइका ने त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने के लिए योगासान बताए हैं। मलाइका ने सर्वासन के बारे में बताया कि यह आसन रक्त को आपके चेहरे की तरफ रेग्यूलेट करता है। इस तरह से आपकी स्कीन का टैक्सचर और क्वालिटी इंप्रूव होती है। इससे आपके कंधे और पीठ की स्ट्रैंथ भी मजबूत होती है। मलाइका ने हलासन के बारे में बताया कि इस आसन से आपका तनाव दूर होता है। दिमाग शांत होता है और आपकी पाचन प्रक्रिया अच्छी होती है। इससे आपकी त्वचा पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ता है।

न्यूज गैलरी

लुसाने में होगा वर्ल्ड हॉकी फाइव ए साइड इवेंट

लुसाने, (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) अपना पहला सीनियर विश्व हॉकी फाइव ए साइड हॉकी इवेंट आगामी 11-12 सितम्बर 2021 को स्विट्‌जरलैंड के लुसाने में आयोजित करेगा। एफआईएच ने मंगलवार को यह घोषणा करते हुए बताया कि इस टूर्नामेंट तक पहुंचना बिना किसी प्रभार के होगा और इस इवेंट का प्रसारण पूरी दुनिया में वाच हॉकी प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकेगा। टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्गों में पांच पांच मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी।

बल्ले के साथ और बेहतर कर सकते थे : राहुल

अहमदाबाद (वार्ता)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ यहां सोमवार को आईपीएल 14 के 21वें मुकाबले में हार के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि हारने वाला पक्ष बनना कभी अच्छा नहीं होता। टीम को परिस्थितियों के अनुसार बेहतर तरीके से खेलना चाहिए था। वे बल्ले के साथ और अधिक बेहतर कर सकते थे। उम्मीद है कि खिलाड़ी आगामी मैचों में होशियारी और चतुराई से खेलेंगे। राहुल ने मैच समाप्ति के बाद कहा, ÷ कुछ आसान विकेट मैच में हम पर बहुत भारी पड़े। यह आकलन करना मुश्किल था कि यहां सबसे ज्यादा जोखिम वाले शॉट कौन से हैं। अच्छी टीमों से परिस्थितियों में जल्दी ढलने की उम्मीद होती है। हमें सकारात्मक सोच के साथ और प्रयास करने की जरूरत है। बिश्नोई का कैच शानदार था। जब आपके पास जोंटी रोड्‌स जैसे फील्डिंग कोच होते हैं तो आपको कठिन परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। वह देखते हैं कि हर खिलाड़ी कैसी फील्डिंग कर रहा है। मैच में खराब परिस्थितियों में प्रशिक्षण और निखरता है।

5 विकेट से जीत के बाद बोले मोर्गन गेंदबाजी में प्रदर्शन प्रभावशाली रहा

अहमदाबाद(वार्ता)। पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां सोमवार को आईपीएल 14 के 21वें मुकाबले में पांच विकेट की शानदार जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि जीतना आसान नहीं था। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है।

मोर्गन ने सोमवार को मैच के बाद कहा, आज भाग्य ने हमारा साथ दिया और हमारा प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा, खास तौर पर गेंद के साथ हमारा प्रदर्शन बहुत प्रभावशाली था। ऐसे विकेट पर हमारी पारी के 12वें ओवर से गेंद फिसल रही थी। मावी का इस सीजन का यह दूसरा ही मैच था और इस मैच में उन्होंने सबके चहेते क्रिस गेल का विकेट लिया। उन्होंने आखिरी मुकाबले में भी अच्छी गेंदबाजी की थी और आज यहां अच्छी शुरुआत की। उन्होंने प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव बनाया, इसके लिए उन्हें श्रेय देना बनता है। हमारे लिए सबसे अनुकूल चीज यह है कि हमारे पास अधिकतर विविधता वाले स्पिनर हैं जो हवा से गेंद के हिलने और टर्न होने पर भरोसा नहीं करते हैं।

केकेआर के कप्तान ने कहा, स्पिनर अपनी गेंद की लेंथ को अच्छी तरह से नियंत्रित करते हैं और गेंद के थोड़ा बहुत टर्न होने पर भरोसा करते हैं, लेकिन आज उनका प्रदर्शन असाधारण था। टूर्नामेंट में आगे जाने के लिए बहुत समय है। उम्मीद है कि आज का यह दिन हमारे लिए आगे अच्छी शुरुआत लाएगा। यकीनन यह चुनौतीपूर्ण है, जिस पर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफको सोचना होगा।

हम बायो-बबल के बाहर कोरोना महामारी से बने भयावह हालातों को लेकर न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को अपना समर्थन देते हैं। अगर आप बाहर जा रहे हैं तो सुरक्षित रहें, मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। केकेआर की तरफसे मैं सभी के ठीक रहने की कामना करते हूं। अगर हम साथ रहें तो हम इस महामारी को हरा सकते हैं।

हवाई किराये की सीमा 31 मई तक जारी रहेगी

नई दिल्ली(वार्ता)। हवाई किराये की सरकार द्वारा तय अधिकतम और न्यूनतम सीमा की अवधि 31 मई तक के लिए बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही घरेलू उड़ानों की संख्या भी 31 मई तक पिछले साल के 'समर शेड्‌यूल' के 80 प्रतिशत तक सीमित रहेगी। कोविड-19 महामारी की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने के दो अलग-अलग आदेश जारी कर किराया और उड़ानों की संख्या संबंधी नियमन का विस्तार किया है। नागर विमानन महानिदेशालय ने आज इस संबंध में सर्कुलर जारी किये हैं। सरकार ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उड़ान के समय के हिसाब से हर सेक्टर का अधिकतम और न्यूनतम किराया तय किया है। यह व्यवस्था पिछले साल 25 मई से ही लागू है जब दो महीने के प्रतिबंध के बाद घरेलू मार्गों पर नियमित उड़ानें शुरू करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि विमान ईंधन की बढ़ी कीमतों का हवाला देते हुये इस साल अधिकतम और न्यूनतम दोनों किराये में वृद्धि की गई है। इस व्यवस्था को पहले तीन महीने के लिए लागू किया गया था, लेकिन बाद में इसकी अवधि कई बाद बढ़ाई जा चुकी है। मंत्रालय के नये आदेश में कहा गया है कि किराये की मौजूदा सीमायें 31 मई तक लागू रहेंगी। पिछले साल 25 मई को एक-तिहाई उड़ानों की अनुमति देने के बाद धीरे-धीरे इस सीमा को बढ़ाकर 80 प्रतिशत किया गया था। कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुये 31 मई तक उड़ानों की संख्या 80 प्रतिशत पर ही सीमित रखने का निर्णय किया गया है।

कोलकाता ने पंजाब को दी 5 विकेट से शिकस्त

अहमदाबाद(वार्ता)। कोलकाता नाईट राइडर्स ने अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद राहुल त्रिपाठी (41) और कप्तान इयोन मोर्गन (नाबाद 47) की बेहतरीन पारियों से पंजाब किंग्स को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल के पहले मुकाबले में सोमवार को आसानी से पांच विकेट से हरा दिया। कोलकाता ने पंजाब को नौ विकेट पर 123 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया और फिर 16.4 ओवर में पांच विकेट पर 126 रन बनाकर आसान जीत अपने नाम की। कोलकाता की छह मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि पंजाब की छह मैचों में यह चौथी हार है। कोलकाता ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले तीन ओवर में तीन विकेट गंवा दिए। मोएसिस हेनरिक्स ने पहले ओवर में नीतीश राणा को खाता खोलने का कोई मौका दिए बिना शाहरुख़ खान के हाथों कैच करा दिया। अगले ओवर में मोहम्मद शमी ने शुभमन गिल को पगबाधा कर दिया। गिल ने आठ गेंदों पर दो चौकों के सहारे नौ रन बनाये। पारी के तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने सुनील नारायण को रवि बिश्नोई के हाथों कैच करा दिया। कोलकाता के तीन विकेट मात्र 17 रन पर गिर गए लेकिन राहुल त्रिपाठी और मोर्गन ने चौथे विकेट के लिए 66 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। पारी के 83 रन बने थे कि राहुल त्रिपाठी ने दीपक हुड्डा की गेंद पर बॉउंड्री के पास शाहरुख़ खान को कैच पकड़ा दिया। राहुल ने 32 गेंदों पर 41 रन में सात चौके लगाए। इसके बाद मैदान पर उतरे आंद्रे रसेल ने मोर्गन के साथ पारी को आगे बढ़ाया लेकिन टीम के 98 के स्कोर पर रसेल अर्शदीप सिंह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। रसेल ने नौ गेंदों में दो चौकों के सहारे 10 रन बनाये। मैदान पर उतरे दिनेश कार्तिक ने फिर छह गेंदों पर दो चौकों की मदद से 12 रन बनाये। कार्तिक ने टीम के लिए विजयी चौका मारा। कप्तान मोर्गन ने 40 गेंदों पर नाबाद 47 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए।

कोरोना : मारुति का मुनाफा 10 फीसदी गिरा, बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का मार्च तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 10 फीसदी की गिरावट के साथ 1166 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल कंपनी ने समान तिमाही में 1291.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। हालांकि इस दौरान कंपनी की बिक्री 33.6 फीसदी बढ़कर 22,958.6 करोड़ रुपये पहुंच गई। कंपनी ने साथ ही 31 मार्च के खत्म फाइनेंशियल ईयर के लिए प्रति शेयर 45 रुपये लाभांश देने की भी घोषणा की है। कंपनी का रिजल्ट एनालिस्ट्स के अनुमानों के मुताबिक नहीं रहा। विश्लेषकों ने चौथी तिमाही में मारुति सुजुकी का मुनाफा 38 फीसदी की तेजी के साथ 1785 करोड़ रुपये और रेवेन्यू 23,704 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। चौथी तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में गिरावट का कारण दूसरी इनकम में आई भारी गिरावट है। पिछले साल मार्च तिमाही में यह 880 करोड़ रुपये रही थी जबकि इस बार मात्र 89.8 करोड़ रुपये रही। मार्च तिमाही में मारुति सुजुकी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 72.8 फीसदी बढ़कर 1250.1 करोड़ रुपये रहा। ज्यादा बिक्री और लागत घटाने के प्रयासों से इसमें तेजी आई। मार्च तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन 120 बेसिस पॉइंट बढ़कर 5.4 फीसदी हो गया।

बीमा कंपनियां फंसाने लगी प्रतिक्षा अवधि का पेच

कोरोना मरीजों को हो रही है परेशानी

नई दिल्ली। बीमा कंपनियां कोविड-19 से उबर चुके मरीज को नई हेल्थ पॉलिसी देने में एक से छह महीने का प्रतिक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड) के लिए कह रही है। यानी कोरोना संक्रमण से उबर चुके मरीजों को नई पॉलिसी लेने के लिए 30 से 180 दिन का इंतजार करना होगा। इसके बाद ही वह नई पॉलिसी लेने के लिए पात्र हो पाएंगे।

बीमा कंपनियां संक्रमण से उबर चुके लोगों को अतिरिक्त जांच भी कराने को कह रही है। बीमा कंपनियां आवेदक का स्वास्थ्य जोखिम आंकलन करने के लिए अतिरिक्त टेस्ट कराने को कह रही हैं। पिछले कुछ वक्त में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब कोरोना वायरस संक्रमण से उबर जाने के बाद भी लोगों में कई तरह की समस्या देखी जा रही है। इसको देखते हु बीमा कंपनियां एहतियात बरत रही है।

इसलिए कंपनियां पॉलिसी देने से हिचक रही

पॉलिसी बाजार डॉट कॉम में हेल्थ इंश्योरेंस हेड अमित छाबड़ा ने हिन्दुस्तान को बताया कि कोविड-19 के नए स्ट्रेन का लंबी अवधि में उस व्यक्ति पर क्या असर होगा इसका आकलन करना अभी मुश्किल है। ऐसे में अधिकांश बीमा कंपनियां कोविड से उबर चुके मरीज को बीमा कवर मुहैया कराने में अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इसलिए बीमा कंपनियां तीन से छह महीने तक का कूलिंग पीरियड रख रही है। इसका मतलब है कि कोई भी कोरोना संक्रमण से उबर चुका मरीज को नई हेल्थ पॉलिसी लेने के लिए तीन से छह महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

अतिरिक्त जांच कराने का भी निर्देश

बीमा क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि जिस तरह कोविड संक्रमण से लोगों की जान जा रही है उसको देखते

क्यों पड़ी प्रतिक्षा अवधि की जरूरत

बीमा विशेषज्ञों का कहना है कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद भी किसी व्यक्ति में कई तरह के मेडिकल कॉम्प्लिकेशंस हो सकते हैं। अगर बीमा कंपनी इस तरह के जोखिम वाले पॉलिसी आवेदन को स्वीकार करने लगे तो उनके लिए दावे का भुगतान करते वक्त काफी दिक्कत हो सकती है। इस वजह से बीमा कंपनियां अब पॉलिसी खरीदने के नए आवेदन से पहले प्रतिक्षा अवधि और जांच कराने को कह रही हैं।

बिना इंतजार नई पॉलिसी लेना फायदेमंद

बीमा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप अभी तक कोरोना से संक्रमित नहीं हुए हैं और नई स्वास्थ्य बीमा लेने की सोच रहे हैं तो बिल्कुल इंतजार नहीं करें। बिना देरी नई पॉलिसी खरीद लें। उसके बाद अगर आप संक्रमित होते भी हैं तो आपको लाभ लेने के लिए प्रतिक्षा करने की जरूरत नहीं होगी।

2022 वर्ड क्लब

मेगा इवेंट के लिए क्वालीफाइंग टीमों की घोषणा करने वाला पहला खेल

भारत और ऑस्ट्रेलिया सहित छह टीमें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई

नई दिल्ली, (वार्ता)। मेजबान इंग्लैंड, विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, उपविजेता भारत, न्यूज़ीलैंड , दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान ने बर्मिंघम में 2022 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है जबकि फाइनल की दो अन्य टीमों का फैसला क्वालीफाइंग राउंड से होगा।

मेगा इवेंट के लिए क्वालीफाइंग टीम

अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह घोषणा की। इस घोषणा के साथ क्रिकेट इस मेगा इवेंट के लिए क्वालीफाइंग टीमों की घोषणा करने वाला पहला खेल भी बन गया। सीधे क्वालीफाई करने वाली छह टीमों को एक अप्रैल 2021 को आईसीसी महिला टी-20 टीम रैंकिंग के आधार पर चुना गया है। क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से पता चलेगा कि किस कैरेबियन देश से खिलाड़ी इस इवेंट में हिस्सा लेंगी क्योंकि इन खेलों में खिलाड़ी वेस्ट इंडीज के रूप में नहीं बल्कि अपने निजी कैरेबियायी देशों के खिलाड़ियों के रूप में हिस्सा लेंगी।

अन्य टीम का फैसला 31 जनवरी 2022 तक

अन्य टीम का फैसला 31 जनवरी 2022 तक होने वाले क्वालीफाइंग राउंड से होगा। आईसीसी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी ज्यॉफ एलरडाइस ने कहा, 'हमें बर्मिंघम 2022 का हिस्सा बनाने पर काफी गर्व और खुशी महसूस हो रही है। आईसीसी और उसके सदस्यों की तरफसे मैं राष्ट्रमंडल खेल महासंघ का उनके समर्थन के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं और अब हमें एजबस्टन में रोमांचक क्रिकेट का इन्तजार रहेगा।' क्रिकेट पहली बार 1998 में कुआलालम्पुर खेलों में खेला गया था। वह तब पुरुष क्रिकेट था जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 50 ओवर फॉर्मेट में हराया था। महिला क्रिकेट पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा बनने जा रहा है। महिला क्रिकेट को राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किये जाने की घोषणा अगस्त 2019 में की गयी थी।

दिग्विजय स्टेडियम में एक साथ चल रहे कोरोना टेस्ट और टीकाकरण का विरोध

- हिन्दू युवा मँच ने इसे अविवेकपूर्ण निर्णय बताकर प्रशासन को जमकर कोसा.
- एक ही स्थान पर टीकाकरण कराने और कोविड जाँच कराने से संक्रमण का बढ़ेगा और खतरा.

राजनांदगाँव। हिन्दू युवा मँच जिला इकाई ने स्थानीय दिग्विजय स्टेडियम में टीकाकरण और कोविड टेस्ट एक ही केन्द्र में एक के बाद एक एकांतर क्रम में कराए जाने का विरोध करते हुए, इसे अलग-अलग भवनों में कराने की माँग कलेक्टर टी के वर्मा से एक ज्ञापन के माध्यम से की है। हिन्दू युवा मँच ने ज्ञापन के माध्यम से जिला प्रशासन पर सवालिया निशाना साधा है। पूछा प्रशासन जनसामान्य को कोरोना से बचाने का काम कर रही है या कोरोना के संक्रमण को बढ़ाने का।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए हिन्दू युवा मँच के जिलाध्यक्ष किशोर माहेश्वरी, जिला संयोजक अरविंद तिवारी और शहर अध्यक्ष सुरेश लोहमार ने बताया कि, जिला मुख्यालय राजनांदगाँव के दिग्विजय स्टेडियम परिसर में टीकाकरण और कोविड जाँच एक ही केन्द्र में एक के बाद एक एकांतर क्रम में कराया जा रहा है। दिन के समय वेक्सिनेशन और रात के समय कोरोना संक्रमण की जाँच की जाती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि, प्रशासन जनसामान्य को कोरोना से बचाने का काम कर रहा है या कोरोना को बढ़ाने का। इसी प्रकार की स्थिति स्थानीय शंकरपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई थी। जहाँ पर एक ओर कोरोना संक्रमण की जाँच की जा रही थी वहीं दूसरी ओर टीकाकरण किया जा रहा था। एक ही स्थान पर एक साथ कोविड जाँच करने और

टीकाकरण करने से लोगो मे कोरोना का संक्रमण फैलने की पूरी संभावना है। जिला प्रशासन की गलत नीतियों का दुष्परिणाम यह होगा कि, यहाँ पर व्यक्ति टीकाकरण करने की मंशा से तो ज़रूर आएगा लेकिन भेंट स्वरूप कोरोना का संक्रमण लेकर जाएगा। क्या प्रशासन या प्रशासन के किसी अमले या आलाधिकारियों का ध्यान इस ओर नही गया कि, उनसे कितनी बड़ी चूक हो रही है, और इसके दुष्परिणाम क्या हो सकते हैं। कितने ही स्वस्थ व्यक्ति टीकाकरण कराने की स्वस्थ मंशा से आये होंगे और आपकी गलत नीतियों की वजह से कोरोना संक्रमण की चपेट में आकर उसका शिकार हो गए होंगे।

कोरोना एक अबूझ पहेली बना हुआ है। काफी अध्ययनों के बाद भी यह समझ नही आ रहा है कि, यह वायरस हवा में कितने घण्टे जीवित रह सकता है। जितने भी शोध हुए हैं या हो रहे हैं उन सभी मे मतभेद की स्थिति है। अलग-अलग वैज्ञानिक अपना अलग-अलग मत दे रहे हैं। कोई वैज्ञानिक इसके 12 घण्टे से अधिक हवा में जीवित रहने की बात कर रहा है तो कोई 4-5 घण्टे और कई वैज्ञानिक 2-3 घण्टे तक इसके खुली हवा में जीवित रहने की अवधि बता रहे हैं। ऐसे में किसी एक अध्यन या रिपोर्ट पर भरोसा नही किया जा सकता। अगर प्रशासन यह धोखे में है कि, कोरोना के वायरस कुछ घंटे तक ही हवा में जीवित रहते हैं यानि कि रात के वायरस दिन होने से पहले खत्म हो जाते हैं। तो आप बहुत बड़े धोखे में हैं। ये तो सलमान खान के एक डॉयलॉग जैसा हो गया है कि, मैं रात में आता हूँ, दिन में नही। जैसे कोरोना ने प्रशासनिक अमले को यह पहले से बता दिया है कि, मैं इतने बजे तक ही रह सकता हूँ या इतना ही मेरा जीवनकाल है।

न्यूज गैलरी

करुणा शुक्ला के निधन पर शिवरतन ने जताया शोक

भाटापारा। जांजगीर की पूर्व सांसद एवं बलौदा बाजार के पूर्व विधायक करुणा शुक्ला के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर भाटापारा में भी भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई उल्लेखनीय है कि बलौदा बाजार के

विधायक रहने के दौरान वेभाटापारा विधानसभा क्षेत्र कीभी प्रभारी थी तथा भाटापारा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों से उनका स्नेहिल एवं आत्मीय संबंध था तथा वे हर कार्यकर्ता के सुख एवं दुख में खड़ी रहती थी यही कारण है कि वे भाटापारा में भी भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच काफी लोकप्रिय थी। क्षेत्रीय विधायक शिवरतन शर्मा ने अपने शोक संदेश में कहा कि करुणा शुक्ला जी जो कि हम सबके बीच चाची के नाम से काफी लोकप्रिय थी उनके निधन का समाचार दिल को व्यथित करने वाला है उनके साथ हमें काम करने का काफी समय तक सौभाग्य मिला उनसे हमें सीखने की प्रेरणा मिलती थी उनका भाटापारा के हर कार्यकर्ताओं के ऊपर स्नेहिल हाथ रहता था उनका निधन दिल को मर्माहित करने वाला है पर विधि के विधान केआगे हम सब नतमस्तक हैं अब तो भगवान से यही प्रार्थना करते हैं कि है ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें इसके अतिरिक्त वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष राम कुमार दीवान प्रदेश प्रतिनिधिआनंद अग्रवाल जिला महामंत्री राकेश तिवारी मंडल अध्यक्ष मनेंदर सिंह गुंबर जिला मंत्री महाबल बघेल महिला मोर्चा की गायत्री अडेल कृष्णा कटारे नीरा देवी, सभी ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है।

गुधेली मे जल्द प्रारंभ किया जाये कोविड सेंटर : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कलेक्टोरेट में बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला कलेक्टर शिव अनंत तायल व जिलें के आला अधिकारियों के साथ कोरोना कोविड 19 के समबन्ध मे विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा मे चल रहे वैक्सिनेशन, टेस्टिंग तथा संक्रमितो के इलाज के संबंध में स्थिती की समीक्षा किया। बैठक में विधायक आशीष छाबड़ा ने पीजी कॉलेज बेमेतरा के साथ साथ सिंघौरी बेमेतरा में भी कोरोना जाच केंद्र बनाये जाने के निर्देश दिये। विधायक ने कहा कि एक ही जगह पर टेस्टिंग किये जाने से भीड जमा हो रही है, लोगो को भीड से बचाने के लिए दूसरे जगह पर टेस्टिंग आवश्यक हैं। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने गुधेली विकास खंड बेरला में 5 ऑक्सिजन युक्त बेड का कोविड सेंटर प्रारंभ करने तथा गुधेली में वैक्सिनेशन एवं कोरोना जाच केंद्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जिससे भिभौरी तहसील अंतर्गत ग्रामवासियों को संक्रमण के द्वौर में राहत मिल सके, साथ ही विधायक ने बेरला में ऑक्सिजन बेड के विस्तार कार्य एवं देवरबीजा में कोविड सेंटर प्रारंभ किये जाने के संबंध में जानकारी ली, जिसमें अधिकारियों ने विधायक श्री छाबडा को बताया कि बेरला में ऑक्सिजन बेड विस्तार का कार्य पूर्ण होने को है, देवरबीजा में कोविड सेंटर प्रारंभ कर दिया गया हैं। विधायक आशीष छाबड़ा ने इस दौरान रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता के संबंध मे अधिकारियों से पूछताछ की, जिस पर अधिकारियों ने बताया की वर्तमान में इंजेक्शन की कमी नहीं है, थोडी बहुत जो कमी हो रही है उसे एक दो दिनों में पूर्ण कर लिया जाएगा। जिससे जिलें के मरीजो को इंजेक्शन के नाम पर कही भटकना नही पडेगा। विधायक आशीष छाबड़ा द्वारा लाकडाऊन में कोरोना संक्रमण की स्थिति का समीक्षा किया गया। जिसमें अधिकारियों ने बताया कि स्थिती में पहले से सुधार हो रहा है, लेकिन अभी भी सभी लोगो को सतर्कता तथा कोरोना कोविड गाईड लाईन का पालन पूर्णतः करना होगा कभी हम कोरोना संक्रमण कि लडाई मे जीत हासिल कर सकेंगे।

जरूरी खाद्य सामग्री वाजिब दर पर ही विक्रय करें : कलेक्टर

बेमेतरा। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने जिलें में 5 मई तक सम्पूर्ण बेमेतरा जिले को कंटेनमेंट क्षेत्र (लॉकडाउन) घोषित किया गया है, ऐसी परिस्थिति मे जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चावल-दाल जैसी राशन सामग्रियों और सब्जियों के दाम बढ़ने तथा उनकी कालाबाजारी एवं जमाखोरी की अपुष्ट खबरों को कलेक्टर शिव अनंत तायल ने गम्भीरता से लिया है। लॉकडाउन के दौरान आम लोगों को परेशानी न हो इसे ध्यान मे रखकर सवेरे 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक किराना दुकानों से होम डिलवरी की सुविधा प्रदान की गई है। जिससे लोगों को जरुरी खाद्य समाग्री मिलती रहे। कलेक्टर ने किसी भी परिस्थिति में आवश्यक चीजों को, सामान्य दिनों की तरह वाजिब दामों से अधिक दाम पर नहीं बेचने तथा राशन, सब्जियों आदि की कालाबाजारी तथा जमाखोरी नहीं करने को कहा है। श्री तायल ने सभी व्यापारियों और राशन दुकानों में उपलब्ध सामग्रियों का स्टॉक निरीक्षण करने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को दिये हैं। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में ग्रासरी (चावल, दाल, आटा, खाद्य तेल एवं नमक, आलू-प्याज) दूध, सब्जी को गली मौहल्लों एवं कॉलोनीयों में विक्रय की अनुमति केवल स्ट्रीट वेंडर्स अर्थात ठेले वालों को प्रातः 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक ही होगी, किन्तु मास्क धारण करना फिजिकल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा, किन्तु पोल्ट्री फार्म, मटन, मछली की दुकानें भौतिक रूप से नहीं खुलेंगी और न ही दुकानों के माध्यम से ग्राहकों बेची जायेगी। दुकान संचालक किराना सामान की आपूर्ति दुकान खोलकर सीधे नागरिकों को नहीं कर सकेंगे। दुकान खोलकर सीधे ग्राहकों को सामान बेचते पाए जाने पर दुकान संचालक विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि जरूरी खाद्य सामग्री वाजिब दर पर ही बिक्री करना सुनिश्चित करें। किसी भी दुकानदार द्वारा अधिक दाम में चीजों की बिक्री की सूचना मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरूद्ध विधिसम्मत प्रकरण तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री तायल ने यह भी निर्देश दिये हैं कि यदि कोई दुकानदार, संस्थान आवष्यक वस्तुओं को एमआरपी से अधिक दाम में बेचते हुये पाया जाता हैं तो उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता 1860 के तहत् कड़ी कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

मनमानी: थोक दुकानें तीन घंटे, एजेंसियां कर रही पूरा दिन कारोबार

- खाद्य तेल, शक्कर ,आलू, प्याज,वाशिंग पावडर और बिस्किट की भी मांग में वृद्धि

भाटापारा। थोक दुकानों को खोले जाने का अंतिम फैसला नहीं लिया गया है लेकिन ये खुल रहीं हैं। समय है सुबह 6 बजे से 9 बजे तक। एजेंसियों को भी नही मिली है अनुमति कारोबार की,पर ये भी चल रहीं हैं पूरे दिन।याने कदम- कदम पर नियम तोड़े जा रहें हैं और प्रशासन है कि चुप्पी साध रखी है।

ये अपना भाटापारा शहर है।जहां पर नियम तोड़ना शान समझा जाता है।ताजा माहौल में बाजार की बात की जा सकती है। लचर प्रशासनिक व्यवस्था के बीच होम डिलीवरी की सलाह न केवल खारिज की जा चुकी है।बल्कि अपनी मर्जी से कारोबार का संचालन किया जा रहा है। दिखाने को, भले ही समय तय है लेकिन पिछले दरवाजे से सारा दिन कारोबार किया जा रहा है। कुछ ऐसे खास क्षेत्र है जहां ऐसी गतिविधियां ज्यादा ही दिखाई दे रही है।

कंट्रोल नहीं रेट पर

बिना अनुमति के खुल रहीं थोक दुकानों में कीमत अपनी शर्तों पर तय की जा रही है। खान-पान की सामग्रियों में शिकायत सबसे ज्यादा है ,तो स्वच्छता से जुड़ी चीजों की खरीदी पर भी ज्यादा पैसे लिए जा रहे हैं। जिन सामग्रियों की कीमतें अधिक लिए जाने की जानकारी आ रही है उनमें खाद्य तेल के टीन पैक में 300 रुपए, पाउच में 25 रुपए, वाशिंग पाउडर में बोरी पीछे 50 रुपए, शक्कर क्विंटल पीछे 600 रुपए, बिस्किट्स में कार्टून पीछे 25 से 50 रुपए ज्यादा लिए जाने की शिकायत मुख्य है।

होलसेल सुबह 6 से 9 बजे तक

वैसे तो होलसेल की संस्थानें बीच शहर में हैं लेकिन आवाजाही में होती दिक्कत और लोड ट्रकों को खाली करने में परेशानी के बाद धीरे-धीरे बड़े कारोबारी, दूसरी जगह शिफ्ट होने लगे हैं।ऐसी ही जगहों में मंडी रोड मुख्य है जहां होलसेल दुकानों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस क्षेत्र से संचालित हो रही थोक दुकानें सुबह 6 बजे खुलने के 3 घंटे बाद 9 बजे बंद हो रही है।

एजेंसियां पूरा दिन

खान-पान की सामग्री और कॉस्मेटिक के साथ घरेलू सामान की बाजार तक पहुंच बनाने वाली एजेंसियां किनारे के गेट से पूरा दिन कारोबार संचालित कर रहीं हैं। नजर ना पड़े इसलिए समय दिया जाकर इसे व्यवस्थित बनाने की गतिविधियां बेखौफचलाई जा रही हैं। मांग का दबाव ज्यादा देख, ग्रामीण और शहर क्षेत्र की फुटकर दुकानों के लिए अलग-अलग समय तय किए जाने की भी जानकारी मिल रही है।

बालोद में आरटीपीसीआर लैब मई में खोलने की तैयारी में जुटा जिला प्रशासन

- लोगों को भी बेसब्री से इंतजार

बालोद। जिले में रियल टाइम पेरीमिरेज चेन रिएक्शन (आरटीपीसीआर) जांच होने लगेगी। राज्य स्तर से जिले में आरटीपीसीआर लैब स्थापित करने की अनुमति दी गई है। लैब के आधारभूत संरचना को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि मई में जल्द ही लैब की स्थापना हो जाएगी। लैब लगने के बाद जिले में ही जांच की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। विभागीय लोगो का कहना है कि आरटीपीसीआर जांच होगी तो रिपोर्ट लगभग 6 घंटे में मिलेगा जिससे इलाज तत्काल शुरू किया जा सकेगा। मरीज के संपर्क में आए लोगो की पहचान की जा सकेगी। शहर कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष व नपा उपाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा आरटीपीसीआर टेस्ट जो की राजनांदगांव में संभव था, जिससे जिले वासियों को काफी परेशानी एवं असुविधा हो रही थी, यह टेस्ट अब बालोद जिला अस्पताल में संभव है, इससे जिले वासियों को सुविधा मिलेगा,इस लैब की सुविधा दिलाने के लिए उन्होंने मुखिया भूपेश बघेल का एवं संजारी बालोद के विधायक संगीता भैयाराम सिन्हा का बालोद वासियों की तरफ से आभार जताया.

रिपोर्ट मिलने में होगी सहूलियत

आरटीपीसीआर मशीन लग जाने के बाद अब जांच रिपोर्ट के लिए लोगों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वर्तमान में आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट आने में तीन से चार दिन तो कभी कभी एक हफ्ते से ज्यादा समय लग जाता है। यहां लैब स्थापित हो जाने के बाद तीन से चार घंटे या अधिकतम 6 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का कहना है कि आरटीपीसीआर जांच कोरोना की अंतिम जांच होती है। इसमें आने वाली रिपोर्ट को ही सबसे बेहतर व सही माना जाता है।

जिलें में ही कोरोना की अंतिम जांच की व्यवस्था

कोरोना से जंग जीतने के लिए सरकार द्वारा अब जिला स्तर पर ही कोरोना की अंतिम जांच की व्यवस्था की जा रही है। जिले में आरटीपीसीआर जांच सुविधा शुरू होने के बाद किसी भी प्रकार का सैंपल को परीक्षण के लिए राजनांदगांव नहीं भेजना पड़ेगा। वर्तमान में एंटीजन और ट्रूनाट जांच ही जिले में हो रही है। इसके अलावा आरटीपीसीआर जांच के लिए सैंपल राजनांदगांव भेजे जा रहे थे।

मानव संसाधन और उपकरण को लेकर पत्राचार

आरटीपीसीआर लैब के लिए अभी जगह का चयन नही हुआ है। लेकिन संभावनाएं जताई जा रही है कि जिला अस्पताल के पास खाली जगह में नए भवन का निर्माण होगा। इसके पहले किसी भवन में लैब स्थापित किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि लैब स्थापना के लिए मानव संसाधन और उपकरण को लेकर राज्य शासन और मेडिकल कालेज पत्राचार किया गया है।

क्या बोले संसदीय सचिव व विधायक कुंवर

बालोद के जिला अस्पताल में लैब खुलेगा। जहां से सैंपल जांच के बाद 6 घंटे में रिपोर्ट मिल जाएगी। मई महीने तक लैब खुलने की पुष्टि करते हुए संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव की अनुशंसा व मुख्यमंत्री से सहमति मिलने के बाद लैब संचालित करने के संबंध में कलेक्टर जनमेजय महोबे व स्वास्थ्य विभाग के अफसरों से चर्चा किया हूं। जल्द सिस्टम व सेटअप अनुसार लैब संचालित करने की बात कही है। ताकि राजनांदगांव पर कोरोना जांच रिपोर्ट के लिए आश्रित न होना पड़े। वर्तमान में आरटीपीसीआर जांच के लिए सैंपल राजनांदगांव के लैब भेजा जा रहा है।

मास्क, सैनिटाइजर और वेपोराइजर की कीमत नियंत्रण से बाहर

- उपभोक्ता और चिल्हर बाजार परेशान

भाटापारा।मास्क 5 से 15 रुपए। सैनिटाइजर 100 एम एल 35 से 50 रुपए। नेबुलाइजर और वेपोराइजर ,जिसकी एम आर पी तो है लेकिन मांग और जरूरत, कीमत तय कर रही है। स्थिति यह है कि रिटेल काउंटर तक को इसकी खरीदी पर ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है। बढ़ता संक्रमण, बढ़ती मौतों के बाद दहशत ने बेहद जरूरी चीजों की कीमत बढ़ानी चालू कर दी है। शायद यह पहला मौका होगा जब होलसेल काउंटर के सामने रिटेल काउंटर को गिड़गिड़ाते देखा जा रहा है कि यह बेहद जरूरी है, दे दीजिए। लेकिन आपदा को अवसर के रूप में देख रहा, होलसेल मार्केट ,इसे ना केवल भुना रहा है बल्कि जरूरत देखकर कीमत भी ले रहा है।

बेहिसाब सेनिटाइजर

वैसे तो सैनिटाइजर के छोटे और बड़े दोनों पैक मांग में आ चुके हैं। लेकिन 100 एम एल के पैक का बाजार सबसे ज्यादा है। जरूरत के हिसाब से इसकी कीमत 32,34 ,36 और 40 रुपए तक बताई जा रही है और बेची भी जा रही है। बड़े पैक की मांग बड़ी संस्थानों में है। इसमें भी कीमत अपने हिसाब से तय किए जाने की खबर है। दिक्कत तब बढ़ जा रही है, जब रिटेल काउंटर को भी, बताई जा रही कीमत में खरीदी करनी पड़ रही है।

पसीने छुड़ा रहा मास्क

मास्क ही वैक्सीन है। इसे अब सभी ने स्वीकार कर लिया है। यही वजह है कि कोरोना की दूसरी लहर ने इसकी मांग बढ़ा दी है। राजधानी में चल रही स्थानीय इकाइयों के पास प्रतिदिन लगभग 10 लाख मास्क की मांग पहुंच रही है लेकिन उत्पादन क्षमता अच्छी नहीं है। इसलिए इसकी कीमत स्वाभाविक रूप से बढ़त ले रही है। थ्री लेयर मास्क की मांग इतनी ज्यादा है कि 5 रुपए वाले इस ग्रेड के मास्क 5 से लेकर 15 रुपए तक में बेचे जा रहे हैं।

> ओवर रेट पर मास्क, सैनिटाइजर व अन्य जरूरी चीजों का बेचा जाना पूरी तरह गलत है। इसे संज्ञान में लिया जा रहा है।
>
> **– अविनाश अग्रवाल,** सचिव, राज्य औषधि विक्रेता संघ, रायपुर

यह भी भरपूर

5 से 10 हजार नग की रोज की बिक्री के साथ वेपोराइजर और नेबुलाइजर अब शिखर के करीब पहुंच रहा है। 1 हजार से 15 सौ रुपए कीमत वाला वेपोराइजर दो से ढाई हजार रुपए में बेचे जाने की खबर है। यही हाल नेबुलाइजर में भी है। एम आर पी तो है लेकिन यह बताने की जरूरत नहीं है कि जैसी जरूरत, वैसी कीमत, वाला सिद्धांत इसकी भी खरीदी में लागू किया जा चुका है।

ऑनलाइन होगी कॉलेज की वार्षिक परिक्षा, एनएसयूआई की माँग हुई पूरी

साजा। राज्य के सभी विवि ने बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए वार्षिक परीक्षा ऑनलाइन लेने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एनएसयूआई साजा के विधानसभा उपाध्यक्ष चित्रकुमार प्रजापति ने बताया कि साजा में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी रश्मि ठाकुर को ज्ञापन सौपा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रक्षामंत्री ने राज्यपाल...
संकट काल में सहयोग लेने का सुझाव बहुत अच्छा है और संकट की स्थिति से निपटने में उपयोगी हो सकता है। राज्यपाल सुश्री उइके ने मुख्यमंत्री श्री बघेल से भूतपूर्व सैनिकों और सैन्य सेवा में रहे पूर्व चिकित्सकों के साथ शीघ्र वर्चुअल बैठक आयोजित कर सहयोग की कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराने की बात कही है।

कोरोना से निपटने...
कोरोना वायरस से निपटने के लिए उसकी राष्ट्रीय स्तर पर क्या योजना है। मौजूदा स्थिति को 'राष्ट्रीय आपातकाल' के समान बताते हुए चीफ जस्टिस एसए बोबडे की खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से ऑक्सीजन और दवाओं की सप्लाई और टीकाकरण को लेकर भी जवाब मांगा था। कोर्ट ने केंद्र से कहा था कि वह कोरोना से लड़ने के लिए अपनी राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की योजना बताए।

वेक्सीनेशन के बाद ही...
जा रही है। राज्य में जितनी भी सरकारी योजनाएं संचालित है इसका लाभ संबंधित लोगों को अब वेक्सीन लगाने के बाद ही मिलेगा। राशन दुकान से उन्ही लोगों को अनाज मिलेगा जो वेक्सीनेशन का प्रमाण पत्र लेकर आएंगे। सरकार का उद्देश्य है कि शत-प्रतिशत लोग वेक्सीन का लाभ लेने के लिए प्रेरित हो और इनका जीवन सुरक्षित हो। माना जा रहा है कि सरकार द्वारा वेक्सीनेशन की अनिवार्यता बाबत् लाए जा रहे कड़े प्रावधान से राज्य की जनता को लाभ मिलेगा और कोरोना के खतरे से निपटने में सफलता मिलेगी।

घंटो तक शव...
में शव के अंतिम संस्कार के लिए काफी इंतजार करना पड़ता है और पीड़ितों के रिश्तेदारों को श्मशान के बाहर कतार में लगे रहना पड़ता है। अदालत ने कहा, 'महाराष्ट्र सरकार और अन्य नगर निकायों को इस मुद्दे के समाधान के लिए कुछ ठोस व्यवस्था तैयार करनी चाहिए। घंटों तक शव नहीं रखे जा सकते।'

वैक्सीन के कच्चे..
की समय अमेरिका भारत की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 टीके का निर्माण पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (सीआईआई) करता है। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, भारत सरकार के अनुरोध के बाद हम भारत के सीरम इंस्टीट्यूट में एस्ट्राजेनेका कोविशिल्ड वैक्सीन के उत्पादन के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराएंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
जोन क्रमांक- 06

क्रमांक 22/जोन क्र. 06/न.पा.नि./2020-21 रायपुर, दिनांक 26/4/2021

-:: निविदा संशोधन सूचना ::-

निविदा क्र. 04 दिनांक 08.04.2021 का निविदा आमंत्रित किया गया किंतु कोविड-19 के तहत लॉकडाउन दिनांक 06/05/2021 सुबह 6.00 बजे तक रायपुर जिले में बढ़ाए जाने के कारण निविदा तिथि में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

(1) आवेदन प्रस्तुत कर निविदा प्रपत्र लेने का दिनांक 11/05/2021
(2) निविदा प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करने का दिनांक 19/05/2021 तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित है।
(3) निविदा खोलने का दिनांक 20/05/2021 कार्यालयीन समय में उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि., संभाग क्र. 03, डी-1/17, सेक्टर-17, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

निविदा संशोधन सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 1816/एन.आई.टी. नं. 01/2021-22 रायपुर दिनांक 09.04.2021 में निविदा संबंधी प्रक्रिया की निर्धारित तारीखों को परिवर्तन कर निम्नानुसार पढ़ा जावें।

विवरण	पूर्व में सूचित दिनांक	संशोधित दिनांक
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :-	26/04/2021	17/05/2021
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-	29/04/2021	24/05/2021
निविदा खोलने की तिथि :-	30/04/2021	25/05/2021

इसके अतिरिक्त निविदा संबंधी अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

जी-60371/3

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. संभाग क्रं. -3,
रायपुर (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

कोविड सेंटर पीड़ितों के लिए वरदान शत प्रतिशत स्वस्थ होकर लौट रहे लोग

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। कोरेना की डरावनी स्थिति के बीच स्थानीय प्रशासन द्वारा तैयार किया गया कोविड केयर सेंटर अस्पताल मुख्यालय सहित आजू बाजू के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। यहां से कोरेन्ना पीड़ित शत-प्रतिशत स्वस्थ होकर अपने-अपने घरों में लौट रहे हैं। हालांकि गंभीर पीड़ितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दिलाने के लिए रेफर भी किया जा रहा है। जानकारी अनुसार 16 अप्रैल से सोमवार तक 72 कोरोना पॉजिटिव पीड़ितों को फोकट पारा स्थित छात्रावास कोविड केयर सेंटर पर भर्ती किया गया रहा। जहां खान पान के साथ स्वास्थ्य विभाग नर्स डॉक्टरों की मौजूदगी में बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। जिसके चलते 32 कॉरेना पॉजिटिव लोग स्वस्थ होकर अपने अपने घरों की ओर लौट चुके हैं। जबकि 8 लोगों को गरियाबंद रेफर करने के साथ 32 पीड़ितों को भर्ती किया है। जिन्हें प्राथमिक उपचार के साथ पूरी व्यवस्था उपलब्ध कराया है। दवाई मेडिकल स्टाफके साथ ऑक्सीजन भी व्यवस्था किया गया है। तभी कोरेना संक्रमित पीड़ितों को काफी हद तक राहत मिल रहा है ।सबसे ज्यादा राहत तो उन कोरेना पीड़ितों

को मिल रहा है जो कोरेना से संक्रमित होने के बाद पारिवारिक समस्या और गरियाबंद अस्पताल पर जद्दोजहद करते हुए इलाज कराने से कतराते है। लेकिन अब मुख्यालय के कोविड केयर सेंटर अस्पताल पर कोरेना पीड़ितों को आसानी से इलाज मिल रही है। शायद यही वजह है कि लोग अब बढ़-चढ़कर कोरेना टेस्ट के लिए सामने आ रहे हैं। मतलब पहले की तरह शिक्षक सहित मितानिनो को घर-घर कोरेना जांच कराने के लिए प्रेरित करने जैसे परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा है ।हालांकि कुछ गांव के ग्रामीण सामान्य बुखार सर्दी खांसी पर भी कोरेना पॉजिटिव होने की गलतफहमियां के चलते जांच कराने से पीछे हैं ।इसलिए स्वयं एसडीएम अनुपम आशीष टोप्पो जमीनी स्तर पर मोर्चा संभालते हुए अफवाहों पर लगाम लगा रहे हैं ।इसके अलावा आम जनता के बीच पहुंचकर गुमराह करने वाले के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करने के संकेत भी दिए जा रहे हैं। क्योंकि यह प्रमुख कारण माना जा रहा हैं ।की अंतिम गांव के लोग कोरेना जांच कराने के लिए कतरा रहे हैं। इसलिए एसडीएम भी अपने दल बल के साथ गांव-गांव पर दस्तक दे रहे हैं ।

न्यूज गैलरी

नगर पंचायत अध्यक्ष ताम्रकार ने लगवाये वैक्सिन के दोनो डोज

गंडई पंडरिया। नगर पंचायत अध्यक्ष और वार्ड नम्बर दो के पार्षद भाजपा नेता स्यामपाल ताम्रकार ने कोरोना वैक्सिन के दोनो डोज लगवा लिए है। चर्चा करते हुवे अध्यक्ष श्री ताम्रकार ने बताया कि उनको पहला वैक्सिन 41 दिन पहले लगा और उसके दूसरे दिन बुखार आया उसके बाद कोई दिक्कत नही हुई दूसरा डोज के बाद कोई दिक्कत नही आई सब ठीक है। लोगो से अपील करते हुवे श्रीताम्रकार कहा कि इस महामारी के समय मे वैक्सिन ही एक मात्र उम्मीद है। इसका कोई साइड इफेक्ट नही है। मेरी माता जी को जिनका उम्र 70 साल है उनको भी दोनो डोज लग गया है। एवं मेरी भाभी जनपद अध्यक्ष श्री मति नीना विनोद ताम्रकार को दोनो डोज लग गया है। और हम सब स्वस्थ है। मै क्षेत्र वाशियो से अपील करता हु की वो बेझिझक वैक्सिन लगवाये और कोरोना जैसे भयानक महामारी बीमारी से मुक्ति पाए कोरोना से बचने के लिए घर मे ही रहे मास्क और हैंड सेनेटाइजर का नियमित उपयोग करे शर्दी खासी या बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर ले आज इस विकट स्थिति में समझदारी ही हमे और हमारे परिवार को इस बीमारी से बचा सकता है।

हनुमान जयंती मनाई

खरोरा। भक्तों को उम्मीद थी कि 26 अप्रैल को लॉकडाउन खत्म होने से अगले दिन पड़ रही हनुमान जयंती पर मंदिर में दर्शन का सौभाग्य मिलेगा । लेकिन अब 5 मई तक लॉकडाउन बढ़ जाने से हनुमान जयंती भी इस साल घर-घर में ही मनाई गई । इस साल हनुमान जयंती पर एक शुभ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है ज्योतिष के अनुसार दिन में पड़ रहे सिद्धि योग में पूजा करें। ग्राम केसला के वार्ड क्रमांक 2 में स्थित हनुमान मंदिर में 27 अप्रैल चेत पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व मनाया गया। कोविड-19 महामारी के चलते सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए सदस्यों द्वारा विशेष पूजा कर प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि की कामना किया गया । कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए घर में ही रहकर हनुमान जयंती मनाना ज्यादा श्रेष्ठ है

युवा नेता अनिल साहू ने जताया मुख्यमंत्री बघेल का आभार

खरोरा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का साहू समाज युवा प्रकोष्ठ के सोशल मीडिया प्रभारी एवं युवा नेता अनिल साहू ने 18 वर्ष आयु से 45 वर्ष आयु के नागरिकों को इस कोरोना महामारी से बचने निःशुल्क वैक्सीन की सौगात देने पर आभार जताया है।। अनिल ने कहा कि केंद्र सरकार ने निःशुल्क व्यवस्था नहीं किया उन्होंने वैक्सीन निर्माता कंपनी द्वारा निजी अस्पताल में 600 रुपए और सरकारी अस्पताल में 400 रुपए दर तय करने पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप कर एक समान मिनिमम दाम निर्धारित करने की मांग भी की। श्री साहू ने बताया कि 18 साल से ऊपर सभी व्यक्तियों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 24 अप्रैल से शुरू करेगी।एक मई से 18 साल अधिक उम्र वाले लोगों को राज्य सरकार द्वारा निशुल्क कोरोना का टीका लगाया जाएगा जो निश्चित ही ऐतिहासिक एवं स्वागतेय है।

पूर्व सांसद करूणा शुक्ला के निधान पर महापौर ने दी श्रद्धांजली

राजनांदगांव। पूर्व सांसद एवं राजनांदगांव की शेडो विधायक आदरणीय करूणा शुक्ला जी का आकस्मिक स्वर्गवास होने पर महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने गहरा शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धांजली अर्पित की है। महापौर श्रीमती देशुख ने अपने शोक संदेश में कहा है कि वे एक दबंग नेत्री थी, उनका मार्गदर्शन सदा मिलते रहता था। ऐसे व्यक्ति के निधन से राजनीति में रिक्तता आई है, जिसकी पूर्ति किया जाना संभव नहीं है। भगवान उन्हें सदगति प्रदान करते हुये अपने चरणों में स्थान दे एवं उनके परिवार को अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

लॉकडाउन का उल्लंघन कर दुकाने खुली रखने पर एवं बिना मास्क घुमते पाये जाने पर अर्थदण्ड की कार्यवाही जारी

राजनांदगांव। कोरोना वायरस संक्रमण के बढते प्रकोप को देखते हुये जिलाधीश द्वारा लॉक डाउन लगाया गया है। नगर निगम की टीम द्वारा आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के निर्देश पर लॉकडाउन के दौरान शहर में घूम घूम कर अनावश्यक घुमने एवं मास्क नहीं लगाने वाले लोगों को समझाईस देने के साथ साथ दुकाने खुली पाये जाने पर अर्थदण्ड लगाकर दुकाने बंद कराने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही शहर के कोरोना पॉजीटिव क्षेत्रों में प्रतिदिन सेनेटाईज किया जा रहा है। आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि कोरोना प्रभावित क्षेत्रों, कोविड सेन्टरों, मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय, कोरोना जॉच सेन्टर, शासकीय अर्द्धशासकीय कार्यालय के अलावा नगर के विभिन्न क्षेत्रों जहॉ कोरोना पाजीटीव मरीज है वहा निगम की टीम द्वारा प्रतिदिन सेनेटाईज किया जा रहा है। इसी प्रकार लॉकडाउन का उल्लंघन कर दुकाने खोलने पर उनके विरूद्ध अर्थदण्ड लगाकर दुकाने बंद कराने की कार्यवाही भी की जा रही है तथा बिना मास्क लगाये घूमते पाये जाने वाले व्यक्तियों से जुर्माना भी वसूला जा रहा है। इसी कडी में आज कलार पारा स्थित मानव मंदिर बेकरी खोलकर केक आदि बनाये जाने पर समझाईस देकर बेकरी बंद कराई गयी। इसी प्रकार प्रतिदिन टीम द्वारा निरीक्षण कर दुकाने खुली पाये जाने पर अर्थदण्ड सहित दुकाने सील करने की कार्यवाही की जा रही है तथा बिना मास्क लगाये घुमते पाये जाने पर नंदई एवं फरहद चौक के चार व्यक्तियों से 2 हजार रूपये मोहारा फ्लाई ओव्हर के नीचे 3 व्यक्तियों पर 1 हजार 5 सौ रूपये अर्थदण्ड लगाया गया।

मानवता की मिशाल पेश कर रहे नपा सीमएओ

स्वयं उपस्थित होकर करा रहे मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहे है इसके साथ ही असमय मृत्यु होने वाले की संख्या भी लगातार बढ़ रहे है इस मुश्किल वक्त में सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना गरीब और बेसहारा लोगों को करना पड़ रहा है. ऐसे में लॉकडाउन के दौरान नगर पालिका अंतिम संस्कार टीम का स्वयं कमान संभाले नगर पालिका सीएमओ नरेश कुमार वर्मा व उनकी टीम ने मानवता की एक ऐसी मिसाल पेश कर रही है । जिसे सुनकर आप भी नगर पालिका टीम की तारीफकरेंगे.

बेसहारा का सहारा बनकर कर रहे अंतिम संस्कार: नगर पालिका कवर्धा सीमएओ नरेश कुमार वर्मा बताते है कि छत्तीसगढ के सभी जिलो में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं कवर्धा में भी प्रतिदिन मरीज बढ़ रहे है तथा असमय मृत्यु भी हो रहे है इस मुश्किल वक्त में लोगों की मदद करना बहुत जरूरी है ऐसे में कोविड से मृत्यु होने वाले व्यक्तियों का दाह संस्कार करने के लिए नगर पालिका परिवार प्रतिबद्ध है नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा कोरोना संक्रमित है लेकिन प्रतिदिन हो रहे कार्यो के सफाई व्यवस्था व कोरोना संक्रमण हेतु किये जा रहे उपायों के बारे में प्रतिदिन दूरभाष पर मॉनिटरिंग कर रहे है उनके द्वारा शहर के असहाय व गरीब परिवार जिनके परिजन अंतिम संस्कार हेतु सक्षम नही है उनका अंतिम संस्कार निकाय द्वारा किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। सीएमओ ने बताया कि निर्देशानुसार पर 4 सदस्यीय टीम तैयार किया गया है जिसका मॉनिटरिंग मैं स्वयं कर रहा हूं। हिन्दू रिति रिवाज से अंतिम संस्कार हो, हम ऐसा प्रयास कर रहे है हमको जैसे कोविड से मृत्यु की सूचना मिलती है हम स्वयं मुक्तिधाम पहुंचकर अंतिम संस्कार किये जाने हेतु सारी प्रक्रिया पूर्ण कर मृतक के परिजन के साथ आने वाले 2-4 सदस्यों के साथ मिलकर अंतिम संस्कार करते है।

कोविड प्रोटोकॉल में हो रहा अंतिम संस्कार

गत दिवस भी वार्ड क्रं. 15 में एक महिला के कोरोना से मृत्यु हो गई। लेकिन परिजन के साथ-साथ पड़ोसी भी उसका सहयोग नही कर पाये। ऐसे समय में सीएमओ नरेश वर्मा मुक्तिधाम पहुंचकर अंतिम संस्कार स्वयं की उपस्थिति में कराये। सीएमओ ने बताया कि आज भी लोहारा मार्ग स्थित मुक्तिधाम में कोविड से मृत स्व. श्री भागीरथी सोनी, श्री विश्वनाथ शर्मा, श्री भागवत सहारे का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

कौन कौन है 4 सदस्यीय टीम में

नगर पालिका टीम द्वारा कोविड से मृत व्यक्तियों का दाह संस्कार हेतु निकाय के 4 कर्मचारियों का टीम तैयार किया गया है जो निर्धारित शवदाह गृह में पीपीई कीट पहनकर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। अंतिम संस्कार किये जाने हेतु निकाय के कर्मचारी भरत कुलदीप, भरत डग्गर, मनोज मोंगरा, उमेश बिछवानी को शामिल किया गया है जिसका मॉनिटरिंग स्वयं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा कर रहे है व अपने सफाई दरोगा हुलास सिंह ठाकुर के साथ उस स्थान पर उपस्थित होकर अंतिम संस्कार कराते है।

कोरोना के खिलाफ जारी जंग को मजबूती व साहस के साथ लड़ें व धैर्य बनाए रखें: सांसद

राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय लगातार हालात की ले रहे जानकारी

- लोगों से सतर्क व जागरूक रहने की अपील

कवर्धा। कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ते ही जा रहा है। वहीं बड़ी संख्या में कोरोना मरीज स्वस्थ भी हो रहे हैं। ऐसे में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडेय आम लोगों से लगातार अपील कर रहे हैं कि कोरोना के खिलाफ जारी जंग को मजबूती व साहस के साथ लड़ें व धैर्य बनाए रखें। हम कोरोना के खिलाफ जारी जंग जरूर जीतेंगे।

सांसद संतोष पांडेय लोकसभा क्षेत्र के राजनांदगांव व कबीरधाम जिले के हालात की लगातार जानकारी ले रहे हैं। साथ ही आवश्यक पहल व प्रयास भी कर रहे हैं। सांसद पांडेय दोनों जिले के कलेक्टर, सीएमएचओ, समस्त एसडीएम, बीएमओ, ड्रग इंस्पेक्टर, कोविड अस्पताल संचालक, अन्य अधिकारियों आदि से लागातार फोन पर चर्चा कर कोरोना के रोकथाम व नियंत्रण के मद्देनजर विभिन्न जानकारी ले रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश भी रहे हैं। सांसद पांडेय जनप्रतिनिधियों, पार्टी के पदाधिकारियों, कोरोना के मद्देनजर सेवा कार्य कर रहे समाज, समाजसेवी संगठन, संस्था सहित विभिन्न संगठनों से भी संपर्क बनाए हुए हैं।

सांसद पांडेय सभी हास्पिटल, कोविड सेंटर, आइसोलेशन केंद्र, क्वारनटाइन सेंटर आदि की स्थिति व व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया है। सांसद पांडेय ने सभी लोगों से कोरोना को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ते ही जा रहा है। ऐसे समय में हम सभी को सतर्क व जागरूक रहने की जरूरत है। सभी लोग अपने घर में ही रहें। मास्क व सेनेटाइजर का उपयोग करते रहें। सोशल डिस्टेन्स बनाए रखें। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में मैं हमेशा आप सभी के साथ खड़ा हूं।

कोरोना से लड़ते हुए दिवंगत हुए लोगों को दी श्रद्धांजलि: सांसद पांडेय ने कोरोना संक्रमण के चलते अपनी जान गंवा देने वाले सभी दिवंगत लोगों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इसको लेकर गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने कहा कि इस महासंकट की घड़ी में भगवान दिवंगत लोगों के परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

कोरोना वारियर्स का बढ़ाएं हौसला

सांसद पांडेय ने कोरोना संकट काल में कोरोना वारियर्स के रूप में कार्य कर रहे जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग, समाज, समाजसेवी संगठन, मीडिया सहित प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सेवा दे रहे सभी लोगों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना वारियर्स का सहयोग करें। उनका हौसला बढ़ाएं।

आवश्यक उपकरण की खरीदी हेतु दे चुके हैं राशि

सांसद पांडेय ने कोरोना के रोकथाम के मद्देनजर कबीरधाम जिले के डेडिकेटेड कोविड हास्पिटल व आइसोलेशन केंद्र हेतु जम्बो मेडिकल आक्सीजन सिलेंडर हेतु अपने सांसद मद से पांच लाख रुपए दिए हैं। इसके पूर्व भी सांसद पांडेय ने कोरोना के रोकथाम व नियंत्रण के मद्देनजर अपने सांसद मद से 13 लाख रुपए प्रदान किए थे। उक्त राशि से जिले के डेडिकेटेड कोविड हास्पिटल में सेंट्रल आक्सीजन सिस्टम स्थापना, पीपीई किट आदि आवश्यक उपकरण की व्यवस्था की गई थी।

कोरोना संक्रमण ने लील ली 370 शिक्षकों की जान, जिम्मेदार कौन? : फेडरेशन

- प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग के 370 शिक्षकों ने कोरोना के कारण गॅवाई जान
- दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को सांत्वना स्वरूप तत्काल मिले अनुकंपा नियुक्ति-फेडरेशन

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं प्रांतीय महामंत्री सतीश ब्यौहरे ने जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग में प्रस्तुत किये आँकड़ो के अनुसार कोरोना संक्रमण के कारण, छत्तीसगढ़ के 54 विभागों में से अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार मौत का कुल आंकड़ा 689 है। जिसमें से अकेले शिक्षा विभाग में अब तक 370 शिक्षकों ने जान गँवाई है। शिक्षकों की मौत का सिलसिला जारी है, लेकिन शिक्षकों की डयूटी, कोरोना महामारी के रोकथाम में लगाना भी बदस्तूर जारी है। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कोई सुरक्षात्मक उपाय किये बिना ही, जिला प्रशासन, शिक्षकों की मनमाने डयूटी, कोरोना महामारी के रोकथाम एवं नियंत्रण में लगा रहा है। विभाग के जिला एवं ब्लॉक के अधिकारी कोरोना संबंधित डयूटी से इंकार करने वाले शिक्षकों को, वेतन रोकने की धमकी दे रहे हैं। शिक्षकों की जान जा रही है, उनका परिवार बेसहारा हो रहा है और विभाग के उच्च अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। कोरोना संक्रमित हो रहे शिक्षकों के त्वरित इलाज का कोई प्रबंध विभाग नहीं कर रहा है। संक्रमित शिक्षक त्वरित इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। विभाग रोज नए फरमान जारी कर रहा है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि, विभाग को अपने शिक्षकों की जान की परवाह नहीं है।

फेडरेशन ने 26 अप्रैल 2021 की स्थिति में, राज्य के 29 जिलों के अंतर्गत हुए शिक्षकों के मौत के आँकडों की जानकारी दी है जोकि बेहद चैंकाने वाली है। आँकड़ो के अनुसार 'रायपुर संभाग' अंतर्गत जिला रायपुर में 49, बलौदाबाजार में 28, धमतरी में 15, महासमुंद 25 एवं गरियाबंद में 09 'कुल 126' शिक्षकों का परिवार बेसहारा हुआ है। 'दुर्ग संभाग' अंतर्गत जिला दुर्ग 41, राजनांदगांव 46, कवर्धा 5, बेमेतरा 10 तथा बालोद से 13 'कुल 115' शिक्षकों को कोरोना ने लील लिया है। 'बिलासपुर संभाग' अंतर्गत बिलासपुर 14, कोरबा 02, सक्ति 07, मुंगेली 03, जी पी एम 04, जांजगीर 12, रायगढ़ से 23 'कुल 65' शिक्षक परिवार बेसहारा हुए है। 'बस्तर संभाग' अंतर्गत बस्तर 02 ,दंतेवाड़ा 00, सुकुमा 21, बीजापुर 03, नारायणपुर 00, कोंडागाँव 04, काँकेर से 04 'कुल 34' शिक्षकों के घर में अंधेरा छा गया है।

हाट बाजार में लगे वाटर एटीएम में तोड़-फोड़ कर मोटर पंप चोरी होने पर आयुक्त ने कराई एफआईआर

राजनांदगांव। नगर निगम द्वारा नंदई में निर्मित हाट बाजार में सब्जी विक्रेताओं एवं क्रेताओं को साफव शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाटर एटीएम मशीन लगाया गया है। एटीएम मशीन में छेड छाड कर तोड-फोड करने एवं मोटर पंप चोरी होने पर आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी द्वारा अज्ञात तत्वों के विरूद्ध कोतवाली थाना में एफआई.आर. दर्ज कराई गयी।

आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि नंदई स्थित हाट बाजार में सब्जी विक्रेता एवं खरीददारों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने नगर निगम द्वारा वाटर एटीएम मशीन स्थापित किया गया है। एटीएम के दरवाजा का ताला तोडकर एटीएम के अंदर लगे मोटर पंप को चोरी किया गया तथा दरवाजा एवं पाईप लाईन को क्षतिग्रस्त गत दिवस अज्ञात लोगों द्वारा किया गया जिससे नगर निगम को 30 हजार रूपये की आर्थिक क्षति हुई। असामाजिक तत्वों के इस प्रकार हरकत के विरूद्ध कोतवाली थाना में एफआई.आर. दर्ज करायी गयी। उन्होनें कहा कि शासकीय सम्पत्ति को छेड झाड, तोड-फोड या चोरी करना दण्डनीय अपराध है, जिसके लिये कानून में कडी से कडी सजा का प्रावधान है और शासकीय सम्पत्ति को क्षति पहुँचाने पर संबंधितों को बक्शा नहीं जायेगा।

सुविधा | वीसी में नपा अध्यक्ष गफ्फु मेमन ने सीएम बघेल से की थी इसकी मांग

सभी जनपद पंचायत और नगर निकायो में मिलेगी पल्स आक्सीमीटर

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिले के सभी नगर निकाय और जनपद पंचायत के कार्यालयों में जल्द ही होम आइसोलेट कोरोना पॉजीटीव मरीजो के लिए पल्स आक्सीमीटर की सुविधा उपलब्ध होगी। सोमवार को मुख्यमंत्री भुपेश बघेल ने प्रदेश के सभी नगर निकायो व जनपद पंचायत कार्यालयो में पल्स आक्सीमीटर की सुविधा उपलब्ध कराने के आदेश जारी कर दिए है। गरियाबंद जिले में भी इसके आदेश पहुॅच चुके है।

ज्ञात हो कि वीडियो कान्फ्रेसिंग में चर्चा के दौरान गरियाबंद नगर पालिका के अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने मुख्यमंत्री बघेल से होम आइसोलेट किए गए कोरोना पाजीटीव मरीजो की समस्या से अवगत कराते हुए नगर पालिका व जनपद पंचायत कार्यालय में पल्स आक्सीमीटर की सुविधा उपलब्ध कराने का सुझाव रखा था इसके साथ ही गरियाबंद जिले व नगर पालिका कार्यालय के लिए उन्हे पल्स आक्सीमीटर प्रदान करने की मांग भी की थी। वही इस सुझाव की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलो के नगर निकाय और जनपद पंचायत कार्यालय में पल्स आक्सीमीटर की सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। उन्होने तत्काल इसके निर्देश स्वास्थ्य विभाग के सचिव को भी दिए थे। अब सोमवार को मुख्यमंत्री बघेल ने इसके विधिवत प्रशासनिक आदेश जारी कर दिए है।

इधर आदेश जारी होने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने पल्स आक्सीमीटर की सुविधा उपलब्ध कराने के सुझाव को तत्काल स्वीकार करने व इस पर कार्यवाही करने को लेकर नगरवासियो और प्रदेशवासियो की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताया है। नपा अध्यक्ष ने बताया कि कोरोना पाजीटीव होम आइसोलेट किए गए मरीजो को इसका लाभ मिलेगा हैं, पल्स आक्सीमीटर के लिए उन्हे बाहर भटकना नही पड़ेगा। पालिका कार्यालय से वे निश्चित समय के लिए आक्सीमीटर ले सकेंगे। समयावधि के बाद उसे पुनः पालिका कार्यालय में जमा करना होगा। जानकारी के मुताबिक जिले के जिले के पांच जनपद पंचायत गरियाबंद, छुरा, फिंगेश्वर, मैनपुर व देवभोग एवं चार निकाय नगर पालिका गरियाबंद व नगर पंचायत छुरा, राजिम और फिंगेश्वर में पल्स आक्सीमीटर की सुविधा उपलब्ध होगी।

सक्रिय हुए झोलाछाप डॉक्टर, हालत बिगड़ने पर मरीज पहुंच रहे अस्पताल

जीवन एस साहू

गरियाबंद (नवप्रदेश)। कोरोना संक्रमण के भयानक रूप को देख जहाँ डिग्रीधारी डॉक्टरों ने सर्दी-खांसी बुख़ार के मरीज़ो के ईलाज करने से हाथ खड़े कर दे रहे है ऐसे लेकिन इस तरह के मामले में झोलाछाप डॉक्टर अपने आदतों से बाज़ नही आ रहे है। जिले में झोलाछाप डॉक्टरों का धंधा कोरोना काल में भी खूब चल रहा है। लोग इनका विरोध करने की जगह इलाज करा रहे हैं। पहले तो यह ग्रामीण क्षेत्रों में ही सक्रिय थे अब तो इन्होंने शहरी क्षेत्र में भी दुकानदारी जमा ली है और यह झोलाछाप डॉक्टर कोरोना की चेन को बढ़ा सकते हैं।

बिना डिग्री, डिप्लोमा के ही लोगों का इलाज कर उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। कोरोना जैसी बीमारी के समय भी यह बाज नहीं आ रहे हैं। यह न तो

अपनी सुरक्षा कर रहे हैं और न ही इलाज कराने वाले लोगों की। सर्दी, खांसी के मरीजों को मेडिकल पर दवा देने के लिए मना किया गया है, लेकिन यह झोलाछाप डॉक्टर ऐसे मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इलाज करते समय सावधानी भी नहीं बरती जा रही है और सर्दी, जुखाम के मरीज को देखने के बाद यह दूसरे मरीजों का इलाज करना शुरू कर देते हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई न करने के कारण ही इनकी तादाद बढ़ती जा रही है। कार्रवाई न होने का लाभ उठाते हुए दूसरे राज्यों के फर्जी डॉक्टर भी यहां आकर इलाज करने लगे हैं। जिले में कई वर्षों से ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई है।

झोलाछाप डॉक्टर ये क्यों भूल गए है कि वह खुद असुरक्षित हैं और दूसरों के लिए भी खतरा बन सकते हैं। इस संबंध में लोगों को भी जागरूक होना होगा और ऐसे फर्जी डॉक्टरों से इलाज कराने की जगह उनकी शिकायत थाने में करें। बीमार होने पर सिविल अस्पताल या डिग्रीधारी डॉक्टर से ही इलाज कराएं।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बड़ा इज़ाफ़ा

गौरतलब है कि जिले भर में इस समय कोरोना संक्रमित मरीज़ो की संख्या में बड़ा इज़ाफ़ा हुआ है। ज्यादातर मरीज़ की हालत क्रिटिकल होने पर हो कोविड हॉस्पिटल पहुँच रहे है। ऐसे मरीज इससे पहले गांव के झोलाछाप डॉक्टर से ईलाज करा रहे थे। हालात कंट्रोल से बाहर होने पर कोरोना जॉच करा रहे है। झोलाछाप डॉक्टर के चंगुल में फंसे ऐसे लोगों की मौत हुई है। प्रशासन को भी इस ओर संज्ञान लेना चाहिए झोलाछाप डॉक्टर के विरुद्ध वर्तमान समय मे सख़्त क़दम उठाने होंगे तब कंही जाकर बहुत से लोगो की जान बचाई जा सकती है।

30 बिस्तर वाले कोविड केयर सेंटर विधायक ने किया शुभारंभ

खरोरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरोरा में 30 बिस्तर कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन विधायक श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा के हाथों रीबन काटकर किया गया ! कोविड केयर सेंटर में पार्टिशन,सी.सी टीवी केमरा , मरीजों के बेड और आक्सिजन व अन्य व्यवस्थाओं का विधायक व अन्य अतिथियों ने जायजा लिया ! कोविड केयर रूम में एक एसी राईस मिल एशोशिएसन खरोरा और एक एसी चेम्बर ऑफ कामर्स खरोरा के द्वारा लगवाया गया वहीं मरीजों के उत्साहों के लिए दो रूमों में एलईडी टीवी सेट पुलिस विभाग खरोरा एवं क्रिकेट स्टार दशहरा समिति खरोरा के द्वारा विधायक अनिता योगेन्द्र शर्मा के कोविड केयर सेंटर के लिए प्रयासों को धन्यवाद करते हुए सहयोग प्रदान किए! वहीं विधायक और डॉक्टरों ने इनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया !उद्घाटन अवसर पर अतिथियों में विधायक अनिता योगेन्द्र शर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि देवरत नायक,डॉ महेंद्र देवांगन,डॉ श्रीमती आर देवधर, नपं अध्यक्ष अनिल सोनी , युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव रविंदर बबलू भाटिया , उपाध्यक्ष नपं पन्ना देवांगन, डॉ गौरव तिवारी,डॉ दिप्ती अग्रवाल, डॉ विनायक ठाकुर,डॉ रतन जांगड़े, पार्षद सुरेन्द्र गिलहरे , पार्षद राहूल मरकाम,पूनम पाध्याय, जुबैर अली , पंचराम यादव मौजूद रहे।

वृक्ष लगाकर किया दाम्पत्य जीवन का शुभारंभ

खरोरा। के समीपस्थ ग्राम गनियारी के साहू परिवार में दिनांक 26 अप्रैल को शादी समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर दूल्हा हुसेन कुमार साहू एवं दुल्हन मनीषा साहू ने गृह प्रवेश एवं अन्य रस्म अदायगी के अवसर पर हाई

स्कूल प्रांगण गनियारी में पीपल वृक्ष का रोपण किया गया। एक तरफ वर्तमान में चारो ओर ऑक्सीजन के कमी के कारण त्राहि मची हुई है, वही दूसरी तरफइस तरह के वृक्ष लगाना समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। नवदम्पत्ति ने ताउम्र इस वृक्ष की संरक्षण करने तथा भविष्य में भी वृक्ष लगाने के संकल्प के साथ सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। इस अवसर पर परिवारजनों, मित्रों व ग्रामीणों ने इन जोड़ों को उनकी अनुकरणीय कार्य की प्रशंसा करते हुए वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी।

पुलिस ने अन्नपूर्णा सेवा समिति को प्रदान किया आवश्यक सामग्री

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री ऋचा मिश्रा तथा अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया श्री एन. के. बेंताल के मार्गदर्शन में पंडरिया क्षेत्र के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। कि शासन प्रशासन के द्वारा कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिले में लॉकडाउन लगाया गया है, जो महामारी की चैन तोड़ने में अत्यंत कारगर है। जिस का कड़ाई से पालन कर आम जनों तथा असहयोग की यथासंभव मदद करें। इसी तारतम्य में आज दिनांक -26/04/2021 को थाना कुंण्डा प्रभारी निरीक्षक श्री कपिल देव चंद्रा के दिशा निर्देश में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक श्री प्रताप सिंह ठाकुर एवं चौकी दामापुर पुलिस टीम तथा दामापुर क्षेत्र के प्रशांत परिहार के द्वारा जिला अस्पताल कवर्धा में संचालित अन्नपूर्णा सेवा समिति को जिला अस्पताल कवर्धा आकर गरीब, निर्धन, असहाय, लोगो के लिये 02कविंटल चावल, 02कैरेट टमाटर, 02कैरेट करेला, 25किलो भाटा, 25किलो आलू,01कैरेट पपीता, सहित अन्य खाद्य सामग्री अन्नपूर्णा सेवा समिति को उपलब्ध कराया गया। जिसका उद्देश्य केवल इस गंभीर महामारी के दौर में आम जनों एवं असहयोग की मदद करने हेतु संपन्न लोगों को प्रेरित करना बताया गया। इस अवसर पर चौकी प्रभारी दामापुर उप निरीक्षक श्री प्रताप सिंह ठाकुर,श्री प्रशांत परिहार, आरक्षक ओमप्रकाश धुर्वे, दिलीप धुर्वे, खगेस साहू, विनोद सोनवानी, तथा अन्नपूर्णा सेवा समिति के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

अवैध रेत माफियाओं पर हुई कार्रवाई

लगातार गंडई में हो रही अवैध खनिज माफियाओ के ऊपर कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई। लॉकडाउन के शुरूआती दिनों में अपराध में भी कमी आई थी। आम आदमी को छूट मिली तो अपराध भी बढ़ने लगे। अब खनिज तस्करों को पकड़ा गया है। खनिज विभाग की नजरों से बचाकर मिट्टी और रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था। ऐसे गिरोह और लोगों पर नजर रखी जाए जो खनिज के अवैध धंधे से जुड़े हैं।

नवप्रदेश लगातार

लॉकडाउन में भी हो रहा अवैध खनन परिवहन करते तीन वाहन जब्त

रविवार की सुबह जिले लगभग 10 बजे गंडई तासीदार के द्वारा रेत का अवैध परिवहन कर रहे हैं लोगो पर कार्यवाही की गई। कुछ दिनो पहले ऐसा ही एक अवैध मिट्टी खनन करने का मामलापरकश मे आया था जिसे जप्त कर कार्यवाही की गई थी इस कार्यवाही से अवैध खनन माफिआओ के कंखड़े होने लगे है।

उल्लेखनीय है की रविवार 25 अप्रेल को सुबह 10 बजे धमधा से गंडई की ओर आ रही थी इसी दौरान तासीदार व स्टाफ पेट्रोलिङ्ग कर रहे थे उस समह मेन चौक गंडई से गाड़ी गुजर रही थी रेट से भरी डंपर को देखकर तासीलदार द्वारा रुकवाकर पूछताछ किया गया पूछताछ मे पाया गया की यह गाड़ी नंदनी की है। वहाँ चलकनिल कुमार साहू पिता स्व. इंदाल साहू निवासी अहिवारा एवं महेन्द्र पिता केजा राम निवासी नंदनी से पूछताछ पर गाड़ी की कागजात व रायल्टी पर्ची मांगने पर रायल्टी पर्ची नहीं होना बताया।

गंडई तासीलदार ने बताया की गाड़ी मालिक वीरेंद्र हिरवानी पिता केजा राम हिरवानी निवासी नंदनी के वहाँ क्रमांक सीजी 07बीआर 7574 हाइवा जिसमे दिनांक 24 अप्रेल को प्रातः 10 बजकर 15मिनट मे अवैध रुप से रेट भरकर धमधा मार्ग से गंडई लाया जा रहा था जिसे गंडई चौक मे रोककर पूछताछ किया गया वाहन चालको द्वारा रायल्टी पर्ची नहीं दिखाने पर बगैर रायल्टी पर्ची के अवैध परिवहन कर तथा लॉकडाउन के नियमो का उलंघन कराते हुये नंदनी जिला दुर्ग से रेट भरकर गंडई मे खाली करने हेतु लाया जा रहा था जिसे जप्त कर जप्त सुदा वाहन को थाना प्रभारी गंडई के अभिरक्षा मे शौपा गया।

> दरअसल इस तरह के खनिज परिवहन की रॉयल्टी खनिज विभाग को देनी होती है। बिना किसी वैध दस्तावेज के यह परिवहन हो रहा था। गंडई थाने में यह गाड़ियां रखी गई हैं, विभाग अब नियमानुसार कार्रवाई कर रहा है।
>
> **त्रिभुवन वर्मा,** तहसीलदार गंडई

कचना के पास भीषण सड़क हादसा, दो लोगों की मौत

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। राष्ट्रीय राजमार्ग 130 सी पर कचना धुरवा मंदिर के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया है । हादसे में दो लोगो की मौके पर ही मौत हो गयी है । सिटी कोतवली पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है । मृतकों की पहचान रायपुर जिले के नवापारा निवासी सतीश कंवर और संजू कवर के रूप में हुई है दोनों आपस में मामा भांजा हैं । गड्ढे में स्कूटी दोनों लाश दूर दूर पड़ी मिली- प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह राहगीरों ने एक स्कूटी को गड्ढे में गिरे पाया और पास ही 2 लोगों के शव पड़े हुए थे जिनकी उम्र 30 और 50 के करीब लग रही थी जो कम से कम आसपास के किसी गांव के रहने

वाले तो नहीं लग रहे थे स्कूटी गड्ढे में कैसे गिरी क्या किसी अज्ञात वाहन से टकराने पर स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त होकर गड्ढे में गिरी इसका पता भी नहीं चल पाया है वहीं स्कूटी में सवार दोनो लोगो की मौत हो गयी है । दोनो के शरीर पर गहरी चोंटे के निशान है , दोनो ही सड़क किनारे पड़े हुए मिले । मौके पर मौजूद स्कूटी का नम्बर- सी जी 04 एम डब्लू 3641 है । मृतकों की हुई पहचान मृतक नयापारा निवासी- मृतकों की शिनाख्त में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी अंततः मृतकों की पहचान नयापारा के सतीश कंवर और उसके भांजे संजू कवर के रूप में हुई । फिलहाल इस बात का खुलासा नही हुआ कि घटना कब और कैसे हुई । मृतकों के परिजनों को गरियाबंद बुलवाया गया है जिनके आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि दोनों गरियाबंद किस लिए आ रहे थे ।

कोपरा को डराने लगा है कोरोना

दस दिनों में आधा दर्जन लोगों की मौत

- लापरवाही की वजह शतक के करीब पहुंचे संक्रमितों की संख्या

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिले के सबसे बड़े ग्राम पंचायत के लोगों को कोरोना अब डराने लगा है। यहां दस दिनों में आधा दर्जन लोगों की मौत कोरोना से हुई है। स्थानीय और प्रशासनिक स्तर पर ऐसी लापरवाही बरती जा रही हैं कि यहां कोरोना कोविड-19 मरीजों की संख्या शतक के करीब पहुंचने वाली है। संक्रमति मरीज के परिजनों को गांव में खुलेआम घूमते देखा जा सकता है।

वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 के दूसरी लहर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। कोरोना मरीजों को जहां अस्पतालों में बेड नहीं मिले वहीं श्मशान घटों में कपन-दफ्न के लिए जगह की

कमी बनी हुई है। ऐसे में गरियाबंद जिले के सबसे गांव कोपरा में भयावाह स्थिति निर्मित हो गई है। बीते दस दिनों में यहां आधा दर्जन लोगों को कोरोना ने अपने आगोश में ले लिया है। दस दिनों के भीतर कोरोना ने बुजुर्ग से लेकर नौ जवानों को अपना शिकार बनाया है। वहीं संक्रमित मरीजों की बात करें तो उनकी संख्या 80 के करीब पहुंच गई है। इसे भी विडंबन कहा जाए कि इतन्नी संख्या में मरीज होने के बाद भी तथ्यात्मक आंकड़ा जिम्मेदारों के पास नहीं हैं। संक्रमित मरीजों की संख्या बताने में पंचायत, राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार कन्नी काट रहे हैं। वहीं ग्रामीणों का दावा है कि गांव में संक्रमित मरीजों की संख्या सौ के करीब पहुंच गया है। इसके बाद भी लापरवाही बरती जा रही हैं। गांव का एक मोहल्ला ऐसा है,जहां घरो-घर कोरोना संक्रमित हैं। गांव का एक भी मोहल्ला ऐसा नहीं है, जहां कोरोना मरीज नहीं हैं। स्थानीय स्तर पर लापरवाही की ऐसी हद हो गई है कि जिन लोगों के घर कोरोना संक्रमण की वजह से मौत हुई है, उन इलाकों को अभी तक कंटेनमेंट जोन घोषित नहीं किया गया है। न ही संक्रमित लोगों के घरों में होम आइसोलेशन का स्टीकर चस्पा किया गया है। इसके चलते संक्रमित लोगों के परिजन गांव में खुलेआम घूम रहे हैं। बहरहाल स्थिति ऐसी ही रही तो आने वाले दिनों में ग्रामवासियों को संक्रमण का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नियमों की धज्जियां उड़ाते पकड़े गए पेट्रोल पंप संचालक, कलेक्टर ने किया सील

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। दीपका के गोपी चंद पेट्रोल पंप को कलेक्टर ने तीन दिन के सील कर दिया है। कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल ने औचक निरीक्षण कर लापरवाही पकड़ी है। गाइडलाइन की अनदेखी के बाद पेट्रोल पंप संचालक पर कार्रवाई की गई है।

जिले में लॉक डाउन लगने के बाद पेट्रोल पंप संचालको को सख्त हिदायत के साथ पास

धारकों को ही पेट्रोल बेचने की अनुमित दी गई थी। इडके बाद भी कुछ पेट्रोल पम्प संचालक मनमानी कर बिना पास के पेट्रोल बेच रहे है। ऐसे पेट्रोल पंप संचालको पर कार्रवाई ली जा रही है। इस कड़ी आज कलेक्टर श्रीमती कौशल का आकस्मिक निरीक्षण किया तो दीपका के गोपी चंद पेट्रोल पंप में बड़ी संख्या में मोटर सायकल सवारों और आम जनो को पेट्रोल बेचते पकड़ा गया है।लॉक डॉऊन का उल्लंघन और भारी भीड़ इकट्ठी कर कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करने पर हुई करवाई पर पेट्रोल पंप को तीन दिन के लिए सील किया गया है।

मितानीन के माध्यम से अब कोरोना किट गांव में सहज उपलब्ध

- ग्राम पंचायतों में भी कोरोना की दवाई उपलब्ध

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद । जिले में कोरोनावायरस के बढ़ते संक्रमण और शासन के दिशा निर्देश के अनुरूप मितानिनों के माध्यम से अब पारा मुहल्ला में ही दवाई मिल सकेगी । कोविड के प्रभावित और प्रारंभिक लक्षण वालों को आसानी से कोरोना दवाई मिल सकेगी । कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशन में जिले के कुल 2361 मितानिन को 20 कोरोनावायरस का किट दिया गया है । अब मितानीन ऐसे लोगों को दवाई वितरित करेंगे करेंगे जिन्हें प्रारंभिक लक्षण है और कोई कोविड है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि गरियाबंद विकासखंड में 463 मितानीन, फिंगेशश्वर में 413, छुरा में 505, मैनपुर में 552 और देवभोग में 428 मितानीन है । इन सभी मितानिनो को दवाई किट का वितरण किया गया है। अब ये गांव में ही दवाई का वितरण कर बढ़ते संक्रमण को रोकने का काम करेंगे । इसके अलावा कलेक्टर श्री क्षीरसागर के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में भी कोरोना किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है । इस कीट में ऑक्सीमीटर सहित सेनीटाइजर भी शामिल है। छुरा और फिंगेश्वर विकाशखण्ड में यह ब्यवस्था कर दी गयी है। इससे दवाई के लिए भटकने वाले और इंतजार करने वालों को उनके घर और पंचायत में ही आसानी से दवाई मिल पाएगी ।

कोरोना से लड़ने जिला प्रशासन के साथ बालको का समन्वयन उत्कृष्ट

नवप्रदेश संवाददाता

बालकोनगर। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कोरोना से निपटने की दिशा में जिला प्रशासन के साथ उत्कृष्ट समन्वयन करते हुए राहत के अनेक कार्य संचालित किए हैं। कोरबा जिला प्रशासन को बालको ने विभिन्न दवाइयां और स्वास्थ्य उपकरण मुहैया कराए हैं। स्वास्थ्य उपकरणों के अंतर्गत प्रशासन को 10 एनआई वेंटीलेटर, 2000 पल्स ऑक्सीमीटर, 10000 पीपीई किट एवं दवाइयों के अंतर्गत 2 लाख डॉक्सिसाइक्लीन टेबलेट, 50 हजार ज़िंक टेबलेट, 50 हजार आईवरमेक्टीन टेबलेट और 1 लाख डी3 टेबलेट प्रदान किए। कोरबा के डिप्टी कलेक्टर श्री आशीष देवांगन को दवाइयां

और स्वास्थ्य उपकरण बालको के प्रशासन एवं सिक्योरिटी प्रमुख श्री अवतार सिंह ने सौंपे।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री अभिजीत पति ने कहा है कि बालको अपने सामुदायिक उत्तरदायित्वों के प्रति दृढ़संकल्प है। कोविड-19 की आपदापूर्ण परिस्थितियों में हम सभी को कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की आवश्यकता है ताकि जरूरतमंदों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड की रोकथाम एवं उससे बचाव के लिए तैनात अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं को साधुवाद दिया जो लगातार जरूरतमंदों की सेवा में जुटे हैं।

बालको ने कोरोना के प्रति सामुदायिक जागरूकता के लिए जिला प्रशासन और जन प्रतिनिधियों के सहयोग से अभियान संचालित किए हैं। बालको की प्रशासनिक टीम ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए नारियल पानी सहित फूड सप्लीमेंट उपलब्ध कराए। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के जरिए प्रतिदिन बालको टाउनशिप के नागरिकों को दिशानिर्देशों के पालन के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालको टाउनशिप के विभिन्न स्थानों पर सैनिटाइजेशन किया जा रहा है।

बालको के चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और सामुदायिक उत्तरदायित्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बालको अस्पताल में हेल्प डेस्क बनाए गए हैं जो निरंतर प्रचालन में है। सभी प्रकार के व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) से सुसज्जित एंबुलेंस की तैनाती की गई है ताकि आवश्यकता पड़ने पर संदिग्ध मरीजों को पूरी सुरक्षा के साथ आवागमन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। बालको के चिकित्सकों, चिकित्साकर्मियों तथा बालको में कार्यरत कर्मचारियों को पर्याप्त मात्रा में सैनिटाइजर, मास्क तथा अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले विटामिन सी जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए सुनिश्चित की गई है.